दैनिक सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन
वर्ष 52/ अंक 292/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14
भोपाल, मंगलवार 13 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सतपुड़ा भवन में 16 घंटे बाद आग पर काबू

छठवीं मंजिल से फिर उठा धुआं, सीएम शिवराज ने बुलाई रिव्यू बैठक, कमेटी ने की जांच शुरू

मुख्यमंत्री द्वारा गठित उच्च स्तरीय कमेटी शुरू हुई जांचः डॉ राजेश राजौरा

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सतपुड़ा भवन में लगी विकराल आग के कारणों की जांच के लिए बनाई गई उच्चस्तरीय कमेटी आज अपनी जांच शुरू की। यह जानकारी अपर मुख्य सचिव गृह डॉ राजेश राजौरा ने दी।

उन्होंने बताया कि जाँच समिति ने सतपुड़ा भवन में स्थित वन विभाग के कॉन्फ़्रेन्स हॉल में जाँच का कार्य प्रारम्भ किया।

राजौरा ने आज सुबह दिल्ली से भोपाल पहुँचते ही सतपुड़ा भवन आकर आग पर क़ाबू पाने की स्थिति का प्रारम्भिक जायज़ा लिया। सभी मंज़िलों पर आग पर क़ाबू पा लिया गया है पर छठी मंज़िल पर अभी भी धुआँ निकल रहा है जिस पर पूर्णतः क़ाबू करने में फायर ब्रिगेड की टीम सफल रहीं।

भोपाल। राजधानी में सतपुड़ा भवन के स्वास्थ्य संचालनालय कार्यालय में भीषण आग लग गई। आग में दस्तावेज जलकर खाक हो गए। भीषण आग के बाद सतपुड़ा भवन को खाली करा लिया गया। आग की वजह से आसपास दो किलोमीटर के दायरे में धुआं ही धुआं नजर आ रहा था। आग से किसी तरह की जनहानि की सूचना अब तक नहीं है। आग से चार मंजिलों में रखी सभी तरह की फाइलें और सामान पूरी तरह जलकर हुआ खाक। रात सवा ग्यारह बजे चौथी मंजिल पर फिर आग भड़क उठी। देर रात वायु सेना टीम सतपुड़ा भवन पहुंच गई। एडीजी फायर आशुतोष राय ने कहा कि प्रथमदृष्टया यही लगता है कि एसी में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी है।

सोमवार शाम चार बजे लगी आग पर मंगलवार सुबह 8 बजे तक टीम ने काबू पा लिया था। हालांकि सुबह साढ़े नौ बजे तक भी 6वें फ्लोर से धुआं उठ रहा है। यह देखते हुए फायर फाइटर्स की टीम को वहां भेजा गया है।

सुबह दफ्तर पहुंचे कर्मचारी- मंगलवार सुबह करीब पौने दस बजे कर्मचारी भी दफ्तर पहुंचने लगे। वे सड़क के पार बैठे हैं और अपने कार्यालय की हालात देखकर परेशान है, आने वाले दिनों में इनके सामने कई समस्याएं आने वाली हैं। उधर, सतपुड़ा भवन में आग लगने के चलते मंगलवार को सतपुड़ा भवन स्थित कार्यालय के लिए अवकाश घोषित किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। इसकी सूचना मिलने के बाद कर्मचारी अपने-अपने घरों की ओर वापस लौट गए।

चार में से एक गेट अभी भी बंद- सतपुड़ा भवन से निकलने के चार गेट हैं। कोरोना काल में दो गेट बंद कर दिए गए। इनमें से एक गेट तो खुल गया, लेकिन वन विभाग की ओर का गेट अब भी बंद है। आपातकालीन सीढियों पर पुराने टूटे हुए कुर्सी-टेबल पड़े हैं। ऐसे में इस टावर के भी आपातकाल में कर्मचारी फंस सकते हैं।

सीएम शिवराज ने बुलाई बैठक

सीएम शिवराज ने आज प्रातः 10 सतपुड़ा बिल्डिंग में आगजनी की घटना को लेकर रिव्यू बैठक बुलाई।इस बैठक में मुख्य सचिव, डीजीपी सहित मंत्री नरोत्तम मिश्रा, प्रभु राम चौधरी, अधिकारियों में जेश राजौरा, मो. सुलेमान, नीरज मंडलोई सहित सबंधित अधिकारी शामिल हैं। बैठक मुख्यमंत्री निवास कार्यालय समत्व में आयोजित की जा रही है।

कार्यालयों में अवकाश

अभी भी ऐहतियातन फायर फाइटर वहां मौजूद है और बीच- बीच में पानी का छिड़काव किया जा रहा है। आग के कारण आज सतपुड़ा भवन में लगने वाले सभी कार्यालयों के लिए अवकाश घोषित कर दिया गया है।

निष्पक्ष जांच हो: कमलनाथ

कमल नाथ ने कहा कि सतपुड़ा भवन में आग लगना अत्यंत चिंता का विषय है। प्रश्न यह है कि आग लगी है या आग लगाई गई है? जिस तरह से विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व में भी और इस बार भी सतपुड़ा भवन में आग लगी है, वह छोटी बात नहीं है। 12,000 से अधिक फाइल जल जाने के समाचार आ रहे हैं। यह भ्रष्टाचार का मामला है। आग लगने की स्वतंत्र एजेंसी से निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

डिजिटल युग में दस्तावेज नष्ट करना असंभव

इस पर प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि भोपाल के सतपुड़ा भवन में आग लगने के कारणों की जांच के लिए उच्चस्तरीय समिति का गठन किया गया है, जो तीन दिन में अपनी रिपोर्ट देगी। डिजिटल युग में दस्तावेज नष्ट करना संभव नहीं है। थोड़ा समय लगेगा, लेकिन जल्द पूरा बैकअप क्रिएट कर लिया जाएगा।

अधिकारी-कर्मचारियों का सर्विस रिकार्ड खाक

सतपुड़ा भवन की चार मंजिलों में लगी आग से सबसे बड़ा नुकसान स्वास्थ्य विभाग की स्थापना शाखा में हुआ है। यहां पर अधिकारी-कर्मचारियों के सर्विस रिकार्ड जलकर खाक हो गए हैं। इस वजह से उनकी पदोन्नति, वेतन और ग्रेड-पे का निर्धारण, कोर्ट में विचाराधीन प्रकरण और पेंशन निर्धारण में दिक्कत आएगी।

चपेट में आईं चार मंजिलों में क्या हुआ नुकसान

तीसरी मंजिल- आग सबसे पहले यहां लगी। यहां जनजातीय क्षेत्रीय विकास परियोजनाएं (टीएडीपी) का कार्यालय है। प्रदेश के 89 जनजातीय विकासखंडों में बुनियादी संसाधनों का विकास, शिक्षा, सामाजिक न्याय और स्वास्थ्य के क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों की फाइलें रखी थीं जो जल गई हैं।।

चौथी मंजिल- स्वास्थ्य संचालनालय की बजट शाखा, विधानसभा शाखा, विकास शाखा, परिवार कल्याण, शिकायत शाखा, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आइडीएसपी) शाखा है। शिकायत शाखा में जांच एजेंसियों में चल रही शिकायतों की फाइलें थीं। प्रदेश भर में ढाई हजार करोड़ रुपये के विकास कार्य चल रहे हैं। कितना काम हुआ और कितना भुगतान किया गया इसके दस्तावेज भी यहां पर थे।

पांचवीं मंजिल- यह स्वास्थ्य विभाग के अधीन है। अभी निर्माण कार्य (रिनोवेशन) के चलते खाली है।

छठवीं मंजिल- स्वास्थ्य विभाग के अधीन है। बड़ा नुकसान स्थापना शाखा में हुआ है। विभाग के सभी अधिकारी-कर्मचारियों के मूल सर्विस रिकार्ड यहां पर था। गोपनीय चरित्रावली और पदोन्नति की फाइलें भी थीं। इसके अलावा स्वास्थ्य आयुक्त और स्वास्थ्य संचालक का कक्ष है।

चुनाव के पूर्व ही क्यों लगती है आगः कांग्रेस

आखिरकार क्या कारण है कि प्रदेश में बीजेपी सरकार आने के बाद विभिन्न मलाईदार मंत्रालयों में आग सिर्फ विधानसभा चुनाव के पूर्व लगती है, लोकसभा चुनाव के पहले क्यों नहीं ? सतपुड़ा भवन में लगी आग प्रायोजित, योजनाबद्ध और मानव निर्मित ताकि प्रदेश में व्याप्त महाभ्रष्टाचार/ घपलों-घोटालों के साक्ष्य मिटाए जा सकें ? प्रदेश की राजधानी के मंत्रालयों में लगी आग, बुझाने के लिए सेना बुलानी पड़े तो आत्मनिर्भर प्रदेश कैसा ? कांग्रेस ने की अग्निकांड की न्यायिक जांच की मांग, राज्यपाल जिम्मेदारी सुनिश्चित करें

सांध्यप्रकाश विशेष

केंद्र में 41 IPS अधिकारी IG पद के लिए एंपेनल्ड, MP से 1 अधिकारी शामिल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा के 2004 बैच के विभिन्न कैडर के 41 अधिकारियों को द्वुत रैंक के लिए एंपेनल्ड किया है। इनमें मध्य प्रदेश के एक अधिकारी संजय कुमार भी शामिल हैं।

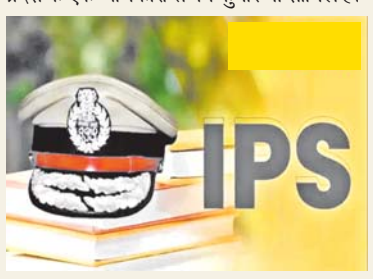

शेष अधिकारियों के नाम इस प्रकार हैंः- पी करुणाकरण, ज्ञाना संबंदन एन, लचित बरुआ, अनुराग कुमार, डॉक्टर नवीन गुलाटी, अभिषेक पाठक, संजीव शुक्ला, नेहा चंपावत, अजय कुमार यादव, गगनदीप गंभीर,सचिन बादशाह, सोनल मोहन अग्निहोत्री, सत्येंद्र कुमार गुप्ता, सतीश बालन, अतुल कुमार गोयल, भीमसेन तुली,अनूप कुरुविला,पी प्रकाश, के सेतु रमन, लाभु राम, संदीप पाटिल, सुप्रिया पाटिल, लखमी गौतम, जया कुमार, निशित मिश्रा, डॉ दीपक कुमार, नितिनजीत सिंह, सत्यव्रत भोई, केबी वंदना, रुचिका ऋषि, डॉक्टर तरुण जोशी, एससी रेड्डी,डॉक्टर केए सेंथिल वेलन, अविनाश कुमार, आसरा गर्ग, ए टी दुराई कुमार, ए राधिका, चंद्र प्रकाश, मितेश जैन और सुनील कुमार चौधरी।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के शुरू होने का समय तय हुआ!

दिल्ली। मुंबई एक्सप्रेस-वे का काम जोर-शोर से चल रहा है। नई दिल?ली से

राजस?थान के दौसा तक यह एक?सप्रेस-वे यातायात के लिए खुल चुका है। केंद्र सरकार का इरादा इस एक?सप्रेस-वे को जल?द से जल?द तैयार करने का है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के सचिव अनुराग जैन ने एक?सप्रेस-वे के पूरा होने के बारे में बड़ी जानकारी दी।

1,350 किलोमीटर लंबे इस एक?सप्रेस-वे का 245 किलोमीटर हिस?सा मध?यप्रदेश में भी पड़ता है। यहां काम 9 खंडों में किया जा रहा है. इनमें से आठ खंडों में काम लगभग पूरा हो चुका है। सचिव का कहना है कि दिल?ली-मुंबई एक?सप्रेस-वे दिसंबर, 2024 तक बनकर तैयार हो जाएगा। देश की राजधानी को देश की आर्थिक राजधानी से जोड़ने वाले इस देश के सबसे लंबे एक?सप्रेस-वे से दोनों शहरों के बीच यात्रा केवल 12 घंटे में पूरी हो सकेगी। अनुराग जैन का कहना है कि एक?सप्रेस-वे का निर्माण तेज गति से हो रहा है। यह एक्सप्रेस-वे पांच राज्यों हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगा। दिल?ली-मुंबई एक?सप्रेस-वे पर कुछ किलोमीटर पर रेस?ट एरिया बनाए जा रहे हैं। इन रेस?ट एरिया में होटल, ढाबे, पेट्रोल पंप, चार्जिंग सटेशन सहित हर जरूरी सुविधा भी मुहैया कराई जाएगी। केंद्र सरकार का इरादा इन रेस?ट एरिया में ट्रॉमा सेंटर भी बनाने का है।

2019 में रखी थी नींव- दिल?ली-मुंबई एक?सप्रेस-वे की नींव 2019 में रखी गई थी। 8 लेन के इस एक?सप्रेस-वे को आधुनिक तकनीक से बनाया जा रहा है। इस एक?सप्रेस-वे के दोनों तरफ जाली लगाई जा रही है, ताकि कोई जानवर सड़क पर न आए। जर्मन तकनीक से बनी सड़क पर तेज गति से गाड़ी चलाने पर भी झटका महसूस नहीं होगा। खास बात यह है दिल?ली-मुंबई एक?सप्रेस-वे पर कोई भी स्पीड ब्रेकर नहीं होगा।

120 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से दौड़ेगी कार- दिल?ली-मुंबई एक?सप्रेस-वे पर कार की अधिकतम गति सीमा 120 किलोमीटर प्रति घंटा है। इसी तरह ट्रक को इस पर अधिकतम 80 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चलाया जा सकता है। लेकिन, इस आधुनिक रोड पर मोटर साइकिल, स?कूटर, तिपहिया वाहन और ट्रैक?टर जैसे धीमी गति से चलने वाले वाहनों को चलाना मना है।

नीतीश कुमार को झटका, इस्तीफा देकर बोले जीतन राम मांझी के बेटे, मेरी पार्टी को था खतरा

पटना। साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी दलों को एकजुट करने का प्रयास करने वाले नीतीश कुमार को बड़ा झटका लगा है। बिहार में महागठबंधन में शामिल जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा सेक्युलर ने पल्ला झाड़ लिया है। जीतन राम मांझी के बेटे डॉ. संतोष सुमन ने नीतीश कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया है। बिहार सरकार में अपने मंत्रीपद से इस्तीफा देने के बाद संतोष सुमन ने कहा कि हमारी पार्टी का अस्तित्व खतरे में था उसको बचाने के लिए हमने ये कदम उठाया है। मैं महागठबंधन आज भी रहना चाहता हूं। एनडीए में शामिल होने के सवाल पर संतोष सुमन ने कहा कि अभी मैंने ऐसा कुछ नहीं सोचा है।

मोदी ने बांटे 70 हजार 126 नियुक्ति पत्र, कहा- अगले 25 साल में भारत को बनाएंगे विकसित राष्ट्र

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी ने आज मंगलवार को 70,126 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस दौरान रोजगार मेला कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा- आज 70 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। रोजगार मेला हमारी सरकार की नई पहचान बन गई है। हम इसके प्रति समर्पित भी हैं। रोजगार मेले के दौरान नई नियुक्तियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज, भारत में एक निर्णायक सरकार और राजनीतिक स्थिरता है। राजनीतिक भ्रष्टाचार, सरकारी योजनाओं में विसंगतियां और सार्वजनिक धन का दुरुपयोग पिछली सरकारों में खूब होते थे। छठे रोजगार मेले में कई केंद्रीय मंत्री भी देश के अलग-अलग हिस्सों से जुड़ें। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण चेन्नई से और महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी लखनऊ से रोजगार मेले से जुड़ीं। उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे वाराणसी से, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी सिकंदराबाद, जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत जोधपुर से और रोड ट्रांसपोर्ट मंत्री नितिन गडकरी नागपुर से कार्यक्रम में शामिल हुए।

अगले 25 साल में भारत को बनाएंगे विकसित राष्ट्र

युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटने के बाद अपने संबोधन में पीएम ने कहा पुरानी सरकारों का काम सिर्फ और सिर्फ भ्रष्टाचार करना था । भ्रष्टाचार पहचान बन गया था। सब बस अपनी झोली भरने में लगे हुए थे। लेकिन पिछले 9 सालों में भारत की पहचान उसके निर्णायक फैसले से है। हम सब को मिल कर अगले 25 साल में भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। भारत पर पूरी दुनिया विश्वास कर रही है।

गुजरातः चक्रवात तूफान बिपरजॉय, मोदी ने सीएम को किया फोन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ आने वाले चक्रवात बिपरजोय की स्थिति और तैयारियों के बारे में टेलीफोन पर बातचीत की। गुजरात के सीएम ने कहा,

÷माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्रभाई मोदी ने टेलीफोन पर बातचीत के माध्यम से गुजरात में चक्रवात बिपरजॉय की स्थिति और सिस्टम की तैयारियों के बारे में विवरण प्राप्त किया। उन्होंने आपदा की इस स्थिति में गुजरात को हर संभव मदद प्रदान करने का आश्वासन दिया।

लोगों को सुरक्षित रूप से निकाला जा रहा- इससे पहले, पीएम मोदी ने स्थिति से निपटने के लिए केंद्र के साथ-साथ गुजरात के मंत्रालयों/एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधान मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव उपाय करने का निर्देश दिया कि राज्य सरकार संवेदनशील स्थानों पर रहने वाले लोगों को सुरक्षित रूप से निकाल ले।

किसानों को बड़ी सौगात, खातों में 4300 करोड़ रुपए डालेगी सरकार

भोपाल। एमपी के किसानों की किस्मत में आज धनयोग है। राज्य सरकार इन्हें बड़ी सौगात दे रही है। प्रदेश की सरकार किसानों के बैंक खातों में अलग अलग योजनाओं में आज कुल 4300 करोड़ रुपए डालेगी। राजगढ़ में आयोजित किसान कल्याण महाकुंभ में ये सौगात दी जाएगी। इस महाकुंभ में केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी शामिल होंगे।

सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि 13 जून को किसान कल्याण महाकुंभ में फसल बीमा योजना के 2900 करोड़ रुपए किसानों के खाते में डाले जाएंगे।

किसानों के कर्ज पर ब्याज की राशि राज्य सरकार की ओर से देने की बात भी कही गई थी। मंगलवार दोपहर 2 बजे राजगढ़ में आयोजित इस महाकुंभ में यह राशि भी किसानों के खातों में जमा की जाएगी।

कमलनाथ ने ली वचन पत्र कमेटी की बैठक

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के आवास पर चल रही विधानसभा चुनाव 2023 को लेकर वचन पत्र कमेटी की बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुख्यमत्री कमलनाथ ने की। पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, वचन पत्र समिति के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री बाला बच्चन, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, मुकेश नायक सहित वचन पत्र समिति के अन्य सदस्य बैठक में उपस्थित रहे। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए कांग्रेस के वचन पत्र को अंतिम रूप देने पर चल रहा विचार-विमर्श। नारी सम्मान योजना का वचन पत्र में शामिल होना तय। योजना के तहत महिलाओं को प्रति माह ?1500 और ?500 में गैस सिलेंडर दिया जाएगा। 100 यूनिट तक बिजली बिल माफ और 200 यूनिट तक बिजली बिल हाफ। वचन पत्र का हिस्सा होगा। किसान कर्ज माफी और पुरानी पेंशन योजना कांग्रेस वचन पत्र का हिस्सा होंगे। कांग्रेस महासचिव श्रीमती प्रियंका गांधी ने जबलपुर जनसभा में इन योजनाओं की घोषणा की थी।

जल संसाधन के क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब की बैठक आयोजित

भोपाल । जल संसाधन विभाग के क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब भोपाल की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष के चुनाव संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही क्लब के सेवानिवृत्त कर्मचारी ईशाक खान एवं अनिल शिरोड को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री गिरीश धारकर क्षेत्रीय अध्यक्ष द्वारा की गई।

आर्थिक समृद्धता से अधिक आवश्यक पर्यावरण समृद्धता :राज्यपाल

प्रदूषण की रोकथाम पर विशेष ध्यान देना जरूरी ,राज्यपाल की अध्यक्षता में हुई एप्को की साधारण सभा बैठक

भोपाल । राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि प्रदूषण के रोकथाम के प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया जाये। आर्थिक हितों के लिए पर्यावरण की अनदेखी को बर्दाश्त नहीं किया जाये। साथ ही प्रदूषण की संभावना के क्षेत्र और संस्थाओं की गहन निगरानी की जाये। यह समझना आवश्यक है कि सुरक्षित भविष्य के लिए आर्थिक समृद्धता से अधिक आवश्यक सुरक्षित, समृद्ध पर्यावरण का होना है। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण की चुनौतियों के लिए सामूहिक सहभागिता के साथ वैश्विक मिशन लाइफअभियान शुरू किया है। राज्यपाल श्री पटेल राजभवन के सांदीपनि सभागार में पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन एप्को की 12वीं साधारण सभा की अध्यक्षता कर रहे थे।

जन-सहभागिता के छोटे प्रयासों से होते बड़े बदलाव: राज्यपाल पटेल ने कहा कि समाज में

पर्यावरण चेतना के लिए ऊर्जा, जल की बचत, कचरा, ई-वेस्ट को कम करने, एकल उपयोग प्लास्टिक को रोकने, सतत खाद्य प्रणालियों और स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने के संबंध में जन-जागृति, प्रोत्साहन और नियंत्रण के समन्वित प्रयासों पर बल देना होगा। स्कूलों में बच्चों की सहभागिता से पौध-रोपण और पर्यावरण-संरक्षण के कार्य करने होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में गुजरात मंत्री-मंडल के वन मंत्री के अपने कार्यकाल के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि छोटे से दिखने वाले प्रारंभिक प्रयास ही बड़े बदलाव लाते हैं। उन्होंने कच्छ के रेगिस्तान में शिक्षक दंपति द्वारा छोटे बच्चों से 1500 पौधों का रोपण कराने, प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रेरणा से पुनीत वन और अंबाजी के मेले में नव-दम्पत्तियों द्वारा पौध-रोपण, राशि वन, नवग्रह वन, नक्षत्र वन में जन-सहभागिता से पौध-रोपण और बड़े पौधों का रोपण कराने के नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में अभियान स्तर पर पौध-रोपण के प्रयासों के लिए प्रेरित किया। बच्चों को खान-पान के व्यवहार के सम्बन्ध में सूचित और शिक्षित किए जाने की आवश्यकता बताई।

पर्यावरण-संरक्षण के कार्यों के लक्ष्य तय किए जाएँः

राज्यपाल पटेल ने कहा कि पर्यावरण-संरक्षण के कार्यों के लक्ष्य तय किए जाएँ। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परियोजना बनाई जाये। परियोजना के लक्ष्यों की वार्षिक कार्य-योजना तैयार कर प्रयास किए जाएँ। इसी तरह कार्य करते हुए सभी विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और स्कूलों में शत-प्रतिशत पौध-रोपण किया जा सकता है। पौध-रोपण में दो से तीन वर्ष के पौधे ही लगाए जाने चाहिए। उन्होंने वन विभाग को बड़े पौधे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पर्यावरण विषय पर शोध, प्रशिक्षण तथा परियोजना निर्माण के लिए समन्वय में एप्को की भूमिका को मजबूत बनाने की जरूरत बताई। प्रतिवर्ष साधारण सभा की बैठक, विश्व पर्यावरण दिवस से एक पखवाड़े में किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अंकुर अभियान में रोपित पौधों की उत्तरजीविता की जानकारी लेने और मृत पौधों का पुनर्रोपण किए जाने की आवश्यकता बताई।

मैं नहीं बोलता, सुरखी का विकास बोलता है : राजपूत

सुरखी विधानसभा की जनता मेरी ताकत

भोपाल । राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सुरखी विधानसभा के ग्राम टेहरा टेहरी शक्ति केन्द्र की बैठक में कहा है कि सुरखी विधानसभा में हुए विकास के लिए मैं नहीं बोलता, वहाँ का काम खुद बोलता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की विकास नीतियों से देश-प्रदेश में हर जगह विकास कार्य हो रहे हैं। प्रदेश सरकार ने हर वर्ग के विकास के लिए नीतियाँ बनाई हैं, जिसका लाभ हर वर्ग को मिल रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में 9 साल देश के लिए बेमिसाल रहे, जिसमें देश में कई विकास कार्य हुए, वहीं पूरे विश्व में भारत का सम्मान भी बढ़ा है। मंत्री राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में लाड़ली बहना योजना के रूप में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में बड़ा काम हुआ है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश सरकार वादे नहीं काम करती है, जिससे जनता का आशीर्वाद हमेशा मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि हर हितग्राही को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने का काम कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में करें। कोई भी व्यक्ति जन-कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे।

मंत्री राजपूत ने कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियों का गमछा पहना कर और सभी के साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया। सर्वश्री डॉ. वीरेंद्र पाठक, कमल कुर्मी, रण बहादुर सिंह छोटू राजा, जगदीश साहू, भगवान सिंह ठाकुर, भवानी सिंह ठाकुर मिहीलाल पटेल, सुदामा पटेल, नरेंद्र सिंह रामकुमार यादव, पप्पू यादव, गोवर्धन लोधी, मनोज सोनी, मोतीलाल बंसल, शिवलाल अहिरवार, दीनदयाल विश्वकर्मा, मोतीराम आदिवासी, प्रमोद पटेल शोभाराम पटेल, रामकुमार यादव सहित क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

प्रदेश में 4 हजार 700 नए सीएम जनसेवा मित्रों की होगी भर्तीः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने जनसेवा मित्रों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से की चर्चा

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमें प्रदेश के विकास और जनता की सेवा करने का मौका मिला है। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान जनता की जिंदगी बदलने का मिशन है। प्रदेश में 4 हजार 700 नए सीएम जनसेवा मित्रों की और भर्ती की जाएगी, जिससे पंचायत स्तर तक उनकी पहुँच हो सके और सरकार के कार्यों में उनका योगदान मिल सके। लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने में जनसेवा मित्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री श्री चौहान निवास कार्यालय के समत्व भवन में सीएम जनसेवा मित्रों से वीडियो कांफ्रेंसिंग से चर्चा कर रहे थे।

लाड़ली बहना योजना के प्रचार-प्रसार में जनसेवा मित्रों की महत्वपूर्ण भूमिका: मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जनता की बेहतरी के लिए हम दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के क्रियान्वयन में जनसेवा मित्रों ने अच्छी भूमिका निभाई है। जनसेवा मित्रों ने लाड़ली बहना योजना की जानकारी जन-जन तक पहुँचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि जनसेवा मित्रों को आगे भी अपनी भूमिका ठीक ढंग से निभानी है। अलग-अलग माध्यमों से इस योजना को बहनों तक पहुँचाना है।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना का भी बेहतर प्रचार-प्रसार हो

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना का भी प्रचार-प्रसार करें। जनता की कठिनाइयों और समस्याओं को भी मेरे पास पहुँचाए। योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभ मिले। जनहित के अनेक कार्यों में नागरिकों की भागीदारी हो। इस बात का प्रयास किया जाए कि जनसेवा मित्रों की पंचायतों में पहुँच हो जाए। उन्होंने जनसेवा मित्रों से कहा कि मतदान के यज्ञ में लोगों की भागीदारी बढ़ाने और अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित कराने का प्रयास करें। प्रशासन और सरकार का सहयोग जनसेवा मित्रों को मिलता रहेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जनसेवा मित्र सरकार के महत्वपूर्ण अंग हैं।

स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चल कर कार्य करें

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के बताए मार्ग पर चल कर कार्य करें। जनसेवा मित्रों में अनंत क्षमता है, जिसका प्रकटीकरण कार्यों को बेहतर करने में करें। पूरी क्षमता, संवर्धन और प्रशिक्षण प्राप्त कर बेहतर तरीके से जनसेवा में जुट जाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने युवाओं को जनसेवा मित्र के रूप में ज्वाइन करने के लिए शुभकामनाएँ दी। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आए 25 जनसेवा मित्र उपस्थित थे। जिलों से जनसेवा मित्र वर्चुअली जुड़े।

शिव को लोटा भर जल चढ़ाते रहोगे तो जीवन सुरक्षित रहेगा: पंडित मिश्रा

मंदिर केवल पूजा ही नहीं सामाजिक चेतना के केन्द्र भी होते हैं:विश्वास सारंग

भोपाल । राजधानी के नरेला विधानसभा क्षेत्रांर्गत पीपुल्स मॉल के पीछे चल रहे शिवमहापुराण कथा को श्रवण करने जन समुद्र मचला। श्री कैलाश प्रसून सारंग की पुण्य स्मृति में आज शिवपुराण कथा का तीसरा दिवस था, जिसमें सात लाख से ज्यादा लोगो ने कथा श्रवण की। इस अवसर पर कथा व्यास पंड़ित श्री प्रदीप मिश्रा ने मानव देह के महत्व को बताया और इसे सुरक्षित रखने के उपाय सुझाये। उन्होंने कहा कि जो लोग अपना वाहन चलाते वक्त हेलमेट-सीट बेल्ट लगाते हैं और श्री शिव भगवान को लोटा भर जल चढ़ाते हैं उनका जीवन सुरक्षित बना रहता है। पंड़ित मिश्रा ने इस वृहद आयोजन के आयोजक चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग और पत्नी श्रीमती रूमा विश्वास सारंग को इस बात के लिए सौभाग्यशाली बताया कि उन्हें महाशिवपुराण कथा के इस विशाल आयोजन का मुख्य यजमान बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह उनके माता-पिता के पुण्यकर्म और पूर्व जन्म के पुण्यों का विशेष परिणाम है। सारंग जी धन्य हैं जिन्होंने शिवपुराण कथा कराकर राष्ट्र और संपूर्ण विश्व का उत्थान करा दिया। इस अवसर पर श्री विश्वास सारंग ने व्यासपीठ पूजन की और अपने संक्षिप्त उद्बोधन में कहा कि पंड़ित प्रदीप मिश्रा जी केवल शिवमहापुराण की कथा ही नहीं सुना रहे बल्कि समुचे विश्व में सनातन धर्म की ध्वज पताका फहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मंदिर केवल पूजन-पाठ ही नहीं बल्कि सामाजिक चेतना के केन्द्र माने जाते हैं। चाहे भोपाल हो या धरती का अन्य कोई स्थान गॉव, नगर अथवा शहर इनमें सबसे ज्यादा मंदिर यदि किसी के हैं तो वो हैं देव आदि देव भगवान शिव शंकर के। महाआरती में गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा विशेष रूप से शामिल हुए इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस दुनिया में हर-हर महादेव से बड़ा और कुछ भी नहीं है। आरती पूजन में अवंतिका-सी.जे.पी. व्यौहार, आरती सारंग, उपासना त्यागी, रूमा सारंग, अस्मिका, देवांन, उत्सव, भौमिका सारंग सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन शामिल रहे। पंड़ित मिश्रा जी ने कहा जिन्हें मुक्ति चाहिए वह भक्ति के मार्ग पर चलें। भक्ति के पथ पर चलो और मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करो। मुक्ति के मार्ग से ही भवसागर पार कर सकते हो।

मनुष्य जब कर्ज में डूब जाता है और मर्ज अर्थात बीमारी से जकड़ जाता है तब कोई संसार का व्यक्ति नाते, रिश्तेदार, संबंधी और मित्र करीब नहीं आता केवल कैलाशवासी परमात्मा शिव ही हमारी सहायता करते हैं। सब मतलब के यार हमने देख लिया झूठे नाते झूठे रिश्ते झूठा है संसार हमने देख लिया।

यह सनातन धर्म है संसार का सबसे महान धर्म जिसमें जन्म लेना मनुष्य के कोटि-कोटि जन्मों के पुण्य कर्मों का परिणाम है। जीव 84 लाख योनियों में भ्रमण करते हुए जब मनुष्य देह को प्राप्त होता है तब उसे पुण्यकर्म करने का और शिव पूजन का सौभाग्य प्राप्त होता है।

शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम के अंतिम दिन विद्वानों ने ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान किया

संत नगर। शहीद हेमू कालानी एज्युकेशनल सोसायटी द्वारा संचालित स्कूलों के शिक्षकगणों के लिये दिनांक 7 जून से 12 जून तक आयोजित किये जा रहे 'शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यक्रम' के अंतिम दिन तीन अलग-अलग विधा के विद्वानों द्वारा अपने क्षेत्र में प्राप्त अनुभवों के आधार पर शिक्षगणों को जुदा-जुदा विषयों पर ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान किया। आज प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर संस्था के अध्यक्ष श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने अपनी पावन उपस्थिति से सबको आशीर्वाद प्रदान किया और विश्वास प्रकट किया कि सभी शिक्षकगण इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ लेकर विद्यार्थियों को संस्कारों से युक्त गुणवतापूर्ण शिक्षा देने में आवश्य सफल होंगे। इस छ-दिवसीय कार्यक्रम में संस्था के समस्त आठों स्कूलों के 200 से भी अधिक शिक्षकगण उपस्थित थे।

रीजनल इन्स्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, भोपाल के प्रोफेसर डॉ. रमेश बाबू ने ''परिवर्तन के लिए शिक्षा' विषय पर बोलते हुए कहा कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली बच्चों को उनके वर्तमान में जीने नहीं देती, वे केवल भविष्य के सपनों /उद्देश्यों को कल्पना में रखकर अपनी पढ़ाई करते हैं। बच्चों को कोर्स में तो नैतिकता और उच्च मूल्यों को अपनाने की बात की जाती है लेकिन वे अपने आसपास जो देखते हैं वह उसके विपरीत होता है। एक ही समय में वर्तमान, भूत और भविष्य में जीने के कारण शिक्षक भी वर्तमान में बहुत तनाव की स्थिति में हैं। नैतिकता के मानदण्डों में अनिश्चितता से बाहर आने के लिये शिक्षा की आवश्यकता होती है। इतिहास सदैव परिवर्तशील होता है इसलिये वर्तमान में शिक्षा के क्षेत्र में हम परिवर्तन की स्थिति में हैं। शिक्षकों को परिवर्तन की गति, परिवर्तन का स्वरूप और परिवर्तन की मात्रा या दर को समझना आवश्यक है। भविष्य के लिये एक विषय, विधा या दिशा के स्थान पर बहुमुखी ज्ञान या जानकारी अति आवश्यक है।

दूसरे सत्र के वक्ता थे पंडित सुंदरलाल शर्मा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल एजुकेशन , जो कि एनसीईआरटी की इकाई है, के प्रोफेसर डॉ. वी.एस. मेहरोत्रा। उन्होंने ''व्यावसायिक अध्यापन'' की व्याख्या करते हुए कहा कि भारत सरकार की नई शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों में किताबी ज्ञान की गंगा बहाने के स्थान पर उनके अन्दर कौशल विकसित करने पर बल दिया गया है। उनको इस प्रकार की शिक्षा दी जाए जिससे वे स्वावलम्बी बनें। शिक्षा तीन एच्छ अर्थात हेड, हार्ट, और हैंड प्रणाली पर आधारित हो जिसमें बच्चे की शिक्षा के उचित आकलन की व्यवस्था होनी चाहिये। शिक्षक को एक फेस्लिीटेटर की भूमिका निभाते हुए बच्चों को गतिविधि आधारित शिक्षा प्रदान करके उनके अन्दर लेखन-कौशल, व्यवस्था-कौशल, आकलन-कौशल और युक्ति-कौशल विकसित करने की ओर ध्यान देना चाहिये। अंतिम सत्र में ग्लोबल विज़न सोल्यूशन, भोपाल के सीईओ श्री सुमित दलेला ने ''आई.एस.ओ. के प्रति जागरुकता'' विषय पर प्रतिभागियों के ज्ञान में वृद्धि करते हुए आईएसओ शब्द की उत्पति, उसका अर्थ और इसके अंतर्गत योग्यता प्राप्त करने के लिये शिक्षा के क्षेत्र में किस प्रकार की अपेक्षाओं, तैयारियों, रखरखाव और अद्यतन की आवश्यकता है इसकी विस्तृत जानकारी दी।

यात्रियों द्वारा यूटीएस मोबाइल ऐप के उपयोग का मिल रहा है काफी अच्छा प्रतिसाद

भोपाल । रेल यात्रियों द्वारा यूटीएस मोबाइल ऐप के उपयोग का काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। रेल टिकट लेने का यह साधन रेल यात्रियों के बीच लोकप्रिय होने लगा है। कई लोग इस मोबाइल ऐप का उपयोग कर रहे हैं, जिससे ऐप से रेल टिकट बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई। भोपाल रेल मंडल में पिछले 06 दिनों (दिनांक 06.06.2023 से 11.06.2023 तक) में 17372 यात्रियों ने यूटीएस मोबाइल ऐप के माध्यम से अपने टिकट बुक किए, जिससे रेलवे को रुपये 3,83,055/- का राजस्व प्राप्त हुआ। भोपाल मंडल के सभी स्टेशनों पर ऑनलाइन अनारक्षित रेल टिकट बुकिंग के लिए यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप की सुविधा उपलब्ध है। यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप शुरू करने का मकसद डिजिटल टिकटिंग मोड को प्रोत्साहित करना, सेल्फ टिकटिंग को बढ़ावा देना और यह सुनिश्चित करना है कि यात्री कतारों की परेशानी का सामना किए बिना टिकट खरीद सकें।

मोबाइल ऐप का विवरण:-1- गूगल प्ले स्टोर, विन्डों स्टोर एवं एप्पल स्टोर पर ÷ यूटीएस ÷ नाम से ऐप उपलब्ध है।2-

उपरोक्त किसी भी स्टोर से ऐप डाउनलोड करें।3- ऐप पर रजिस्ट्रेशन हेतु साइन अप करें।मोबाइल ऐप का उपयोग कैसे करें-1- टिकिट बुक करने हेतु लॉगिन करें ।2- लॉगिन आई.डी. मोबाइल नम्बर में रजिस्टर करें।3- मेसेज के द्वारा प्राप्त चार अंको के पासवर्ड का उपयोग करें।4- टिकिट बुक करने हेतु आर-वालेट का उपयोग करें।5- आर-वालेट को डेबिट कार्ड, नेट बैंकिग, यूपीआई अथवा यू.टी.एस. काउन्टर द्वारा न्यूनतम रुपये 100/- तथा अधिकतम रुपये 9500/- तक रुपये 100/- के गुणांक में रिचार्ज करें।

मोबाइल ऐप के लाभ

1- आपका मोबाइल ही आपका टिकिट है।2- मोबाइल आफ लाइन मोड में होने पर भी टिकिट दर्शाया जा सकता है।
3- त्वरित टिकिट बुक करें।4- लम्बी कतार से बचें एवं समय की बचत करें।5- प्रारम्भिक स्टेशन से 30 मीटर तथा अधिकतम 20 कि.मी. के दायरे में टिकिट बुक किये जा सकते हैं ।6- पेपर की बचत, गो पेपरलेस, गो कैशलेस ऐप द्वारा तनाव रहित टिकिट बुक करें।

मोबाइल ऐप पर उपलब्ध सुविधाएं

1- अनारक्षित टिकिटों की बुकिंग ।2- सीजन टिकिट जारी एवं नवीनीकरण करें।3- पेपर टिकिट एवं पेपरलेस टिकिट दोनों प्रकार के टिकिट प्राप्त किये जा सकते हैं।4- आर-वालेट की शेष रकम चेक करें।5- आर-वालेट सरेन्डर कर किसी भी स्टेशन पर रकम प्राप्त करें।6- आवश्यकतानुसार प्रोफाइल उपयोग करें।7- बुक किए टिकिटों का विवरण चेक करें।

इस सुविधा का अधिकाधिक उपयोग करने के लिए मंडल में वाणिज्य रेल कर्मियों द्वारा व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, साथ ही पोस्टर/बैनर के माध्यम से महत्वपूर्ण रेलवे

विदेश में उच्च शिक्षा के लिए 40 हजार डॉलर प्रतिवर्ष की छात्रवृत्ति योजना

भोपाल । प्रदेश में सामान्य/अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विदेश में स्नातकोत्तर एवं पीचएडी उपाधि के लिए छात्रवृत्ति योजना 2023-24 के तहत आवेदन आंमत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 26 जून 2023 निर्धारित की गई है।

योजना का उद्देश्य: छात्रवृत्ति योजना में सामान्य एवं अनारक्षित वर्ग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शासन द्वारा उच्च शिक्षा के लिए विदेश भेजे जाने का प्रावधान किया गया है। इसमें मेरिट के आधार पर विदेश में उच्च शिक्षा के लिए चयनित विद्यार्थियों, जिनके परिवार की आय पर आयकर देय नहीं है, की फीस का भार राज्य शासन द्वारा वहन किया जायेगा। इसमें 20 विद्यार्थियों को लाभांवित किए जाने का लक्ष्य है। विदेश में अध्ययन के पाठ्यक्रम के लिए चयनित आवेदन कर्ता की समस्त स्त्रोत से वार्षिक आय 8 लाख रूपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। स्नातकोत्तर स्तर पर प्रवेश के लिए आवेदनकर्ता की उम्र अधिकतम 25 वर्ष तथा पीएचडी शोध उपाधि के लिए अधिकतम उम्र 35 वर्ष होना चाहिए।

छात्रवृत्ति योजना की अवधि: योजना में प्रदेश के चयनित प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को विशिष्ट क्षेत्रों में स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्क्रमों/शोध उपाधि एवं शोध उपाधि के बाद कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रतिवर्ष जनवरी से जून सत्र के लिए 10 छात्रवृत्ति तथा जुलाई से दिसम्बर सत्र के लिए 10 छात्रवृत्ति स्वीकृत की जायेगी। छात्रवृत्ति योजना में स्नातकोत्तर और पीएचडी उपाधि के लिए दो-दो वर्ष की अवधि के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी।

सतपुड़ा भवन में 2018 के चुनाव के बाद भी लगी थी आग,तब नई सरकार के गठन के पहले और 2012 में भी इसी फ्लोर पर लगी थी आग

भोपाल। सतपुड़ा भवन में सोमवार को लगी आग को लेकर कई कारण बताए जा रहे हैं। जहां इसको लेकर जांच टीम की घोषणा कर दी गई है, वहीं कांग्रेस और आप नेताओं ने इस साल के अंत में होने वाल चुनाव से पहले आग लगने पर सवाल उठाए हैं।

इससे पहले 2018 में चुनाव के नतीजों के बाद भी आग लगी थी। 14 दिसंबर 2018 को भी चौथे फ्लोर पर स्थित स्वास्थ्य संचालनालय के इसी दफ्तर में आग लगी थी। तब आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया था। तब भी आग लगने पर सवाल उठाए गए थे, क्योंकि नई सरकार के गठन के पहले आग लगी थी।

इसी बिल्डिंग की चौथी मंजिल पर 25 जून 2012 को भी आग लगी थी। तब भी आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया गया था। तब इस फ्लोर पर तकनीकी शिक्षा विभाग का दफ्तर संचालित होता था।

जरूरत पड़ने पर शोपीस बन गई हाईराइज हाइड्रोलिक फायर ब्रिगेड

नगर निगम ने हाईराइज बिल्डिंगों में आग को काबू करने के लिए पांच करोड़ रुपए लगा कर हाईराइज हाइड्रोलिक फायर ब्रिगेड खरीदी थी। सतपुड़ा भवन में लगी आग को काबू करने में इसका उपयोग नहीं हो सका। कारण हाईराइज फायर ब्रिगेड को ऑपरेट करने के लिए नगर निगम के पास जरूरी टेक्नीशियन की कमी बताई जा रही है। वहीं फायर ब्रिगेड के सूत्रों का कहना है कि उसका उपयोग सतपुड़ा भवन में घूमने के लिए जगह की कमी के कारण नहीं हो सका।

ईओडब्ल्यू में हुई शिकायतों की फाइलें जलीं

ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त में हुई शिकायतों की जांच की फाइलें चौथी मंजिल की अलमारियों में भरी थीं। इसी फ्लोर से आग शुरू हुई थी। आग से पुराना रिकॉर्ड और शिकायतों की फाइलें सबकुछ जल गईं। कोरोना के समय के जरूरी दस्तावेज भी यहां रखे थे। इनके साथ आदिम जाति कल्याण विभाग के जरूरी दस्तावेज भी जले हैं।

क्यों फैली आग

-बिल्डिंग में फायर सेफ्टी के लिए लगाए गए फायर एक्सटिंग्विशर आग लगने के बाद काम नहीं कर सके। आग लगने के बाद पाइप की कमी के कारण वॉटर डिस्टीब्यूशन सिस्टम काम नहीं कर पाया।-जब आग लगी तब हवा तेज थी इस कारण आग तेजी से फैलती चली गई।-बिल्डिंग की चारों मंजिलों पर लकड़ी और कागज का सामान ज्यादा था। यहां प्लास्टिक और फोम का उपयोग भी किया गया था। इससे आग भड़क उठी। - आग से यहां लगे 40 से ज्यादा एसी भी फट गए, जिसके कारण आग और भीषण हो गई।झ

सतपुड़ा भवन के स्वास्थ्य संचालनालय कार्यालय में भीषण आग, दस्तावेज जले, भवन खाली कराया

भोपाल- मध्यप्रदेश शासन के प्रमुख कार्यालय सतपुड़ा भवन में सोमवार शाम भीषण आग लगने से सनसनी मच गई। सतपुड़ा भवन में मध्य प्रदेश शासन के कई संचालनालय के कार्यालय हैं। प्रारंभिक सूचना में बताया जा रहा है कि आग भवन के तीसरे माले में लगी है। यहां पर आदिम जाति विकास परियोजना का कार्यालय है। वहीं, सूत्रों ने नवभारत टाइम्स डॉट कॉम को बताया है कि आगजनी में स्वास्थ्य विभाग के संचालनालय के कई दस्तावेज खाक हो गए हैं।

दरअशल, मध्य प्रदेश शासन का सचिवालय वल्लभ भवन में है। उसी के सामने दाएं और बाएं में सतपुड़ा और विंध्याचल भवन बने हुए हैं। इन भवनों में प्रदेश के अधिकांश विभागों के संचालनालय हैं। जहां आग लगी है उस जगह में मध्य प्रदेश स्वास्थ्य संचालनालय की कई शाखाएं संचालित होती हैं। सतपुड़ा भवन की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे अधिकारियों ने बताया कि शाम को 4 बजे होंगे कि तीसरे माले से तेज आग की लपटें बाहर आते हुई दिखाई देने लगीं। इसके बाद अचानक पूरा भवन खाली होने लगा।

अधिकारी और कर्मचारी भवन से बाहर आ गए। पूरा भवन खाली करा लिया गया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आग को बुझाया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग से किसी भी तरह की जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन कई महत्वपूर्ण दस्तावेज स्वाहा हो गए।

क्या साजिशन लगाई जाती है आग

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है कि संचालनालय में आग लगी हो। 14 दिसंबर 2018 को भी सतपुड़ा भवन में भीषण आल लगी थी। तब भी आग से यहां के कई गोपनीय दस्तावेज जलकर खाक हो गए थे। तब प्रदेश में चुनाव हुए थे और कांग्रेस जीतकर आई थी। 17 दिसंबर को कमल नाथ को मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेनी थी, इससे तीन दिन पहले 14 दिसंबर को आल लगने से कई दस्तावेज खाक हो गए थे। उसके बाद संचालनालय में आग लगने पर कई तरह के सवाल उठाए गए थे। अब कुछ महीने पर मध्य प्रदेश में फिर से चुनाव होने हैं। ऐसे में भीषण आग का लगना कई सवालों को जन्म दे रहा है। आग पर काबू पा लिया गया है। अभी तक आगलगी के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अचानक प्रियंका गांधी के जबलपुर कार्यक्रम में पहुंचे राहुल गांधी, देखकर चकराए लोग, फिर लेने लगे सेल्फी

जबलपुर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी 12 जून को मध्य प्रदेश के जबलपुर दौरे पर आई। प्रियंका गांधी ने नर्मदा पूजन के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए विधानसभा चुनाव का शंखनाद कर दिया है। प्रियंका गांधी ने संस्कारधानी के गौरी घाट पर पूजन कर जीत का आशीर्वाद लिया। वही प्रियंका गांधी के इस कार्यक्रम को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। इसी दौरान एक ऐसा नजारा देखने को मिला जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। दरअसल प्रियंका गांधी जब मंच पर सभा को संबोधित कर रही थी। उसी दौरान राहुल गांधी के हमशक्ल पहुंच गए फिर क्या था लोग उन्हें राहुल गांधी समझकर सेल्फी लेने लगे ।

बाल और दाढ़ी हुबहू राहुल गांधी से मिलती

बता दें कि राजधानी भोपाल के रहने वाले राकेश कुशवाहा की शक्ल राहुल गांधी से मिलती है। यही कारण है कि जबलपुर में जब प्रियंका गांधी जनसभा को संबोधित कर रही थी ।उसी दौरान वहां पर राकेश कुशवाहा आ गए। ऐसे में लोग उन्हें राहुल गांधी समझते हुए उनके साथ सेल्फी लेने लगे। आप खुद देख सकते हैं राकेश कुशवाहा की बाल और दाढ़ी हुबहू राहुल गांधी की तरह दिख रही है। ऐसे में लोग भी चकरा गए और उन्हें पहचान नहीं पाए। ऐसे में उनके साथ सेल्फी लेने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।

राहुल गांधी को मानते अपना आदर्श

बता दें कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी संस्कारधानी से विधानसभा चुनाव का बिगुल अपने आई थी। ऐसे में राहुल गांधी के हमशकल राकेश कुशवाहा भी पहुंचे थे। ऐसे में वहां इस पूरे कार्यक्रम में आकर्षण का केंद्र नजर आए। वही प्रियंका गांधी को सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे। ऐसे में उन्हें राहुल गांधी समझकर लोग उनके साथ सेल्फी लेने लगे। हालांकि राकेश कुशवाहा से जब राहुल गांधी की तरह ही बाल और दाढ़ी रखने को लेकर सवाल किया तो उनका कहना था कि वह राहुल गांधी के फैन हैं और अक्सर लोग उन्हें राहुल गांधी ही समझते हैं। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान उनकी मुलाकात राहुल गांधी से हो गई थी तब से लेकर आज तक वहां राहुल गांधी की तरह ही दाढ़ी और बाल रखते हैं। हालांकि राहुल गांधी के हमशक्ल राकेश कुशवाहा का इस तरह का अंदाज अब सोशल मीडिया पर लोग काफी पसंद कर रहे हैं। एक समय तो ऐसा लगा था मानों राहुल गांधी अचानक प्रियंका गांधी की सभा में पहुंच गए हैं। कुछ समय तक तो लोग समझ नहीं पाए, लेकिन बाद में जब पता चला कि वह तो भोपाल के रहने वाले राकेश कुशवाहा है। राकेश कुशवाहा ने बताया कि पुणे प्रियंका गांधी से मिलने की इच्छा थी इसीलिए वहां कार्यक्रम में आ पहुंचे।

आर्थिक समृद्धता से अधिक आवश्यक पर्यावरण समृद्धता :राज्यपाल

प्रदूषण की रोकथाम पर विशेष ध्यान देना जरूरी, एप्को की साधारण सभा बैठक

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि प्रदूषण के रोकथाम के प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया जाये। आर्थिक हितों के लिए पर्यावरण की अनदेखी को बर्दाश्त नहीं किया जाये। साथ ही प्रदूषण की संभावना के क्षेत्र और संस्थाओं की गहन निगरानी की जाये। यह समझना आवश्यक है कि सुरक्षित भविष्य के लिए आर्थिक समृद्धता से अधिक आवश्यक सुरक्षित, समृद्ध पर्यावरण का होना है। इसी को देखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण की चुनौतियों के लिए सामूहिक सहभागिता के साथ वैश्विक ÷मिशन लाइफ%% अभियान शुरू किया है। राज्यपाल श्री पटेल राजभवन के सांदीपनि सभागार में पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन एप्को की 12वीं साधारण सभा की अध्यक्षता कर रहे थे।

जन-सहभागिता के छोटे प्रयासों से होते बड़े बदलाव

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि समाज में पर्यावरण चेतना के लिए ऊर्जा, जल की बचत, कचरा, ई-वेस्ट को कम करने, एकल उपयोग प्लास्टिक को रोकने, सतत खाद्य प्रणालियों और स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने के संबंध में जन-जागृति, प्रोत्साहन और नियंत्रण के समन्वित प्रयासों पर बल देना होगा। स्कूलों में बच्चों की सहभागिता से पौध-रोपण और पर्यावरण-संरक्षण के कार्य करने होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में गुजरात मंत्री-मंडल के वन मंत्री के अपने कार्यकाल के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि छोटे से दिखने वाले प्रारंभिक प्रयास ही बड़े बदलाव लाते हैं। उन्होंने कच्छ के रेगिस्तान में शिक्षक दंपति द्वारा छोटे बच्चों से 1500 पौधों का रोपण कराने, प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रेरणा से पुनीत वन और अंबाजी के मेले में नव-दम्पत्तियों द्वारा पौध-रोपण, राशि वन, नवग्रह वन, नक्षत्र वन में जन-सहभागिता से पौध-रोपण और बड़े पौधों का रोपण कराने के नवाचारों की जानकारी दी। उन्होंने प्रदेश में अभियान स्तर पर पौध-रोपण के प्रयासों के लिए प्रेरित किया। बच्चों को खान-पान के व्यवहार के सम्बन्ध में सूचित और शिक्षित किए जाने की आवश्यकता बताई।

पर्यावरण-संरक्षण के कार्यों के लक्ष्य तय किए जाएँ

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पर्यावरण-संरक्षण के कार्यों के लक्ष्य तय किए जाएँ। लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए परियोजना बनाई जाये। परियोजना के लक्ष्यों की वार्षिक कार्य-योजना तैयार कर प्रयास किए जाएँ। इसी तरह कार्य करते हुए सभी विश्वविद्यालय, महाविद्यालय और स्कूलों में शत-प्रतिशत पौध-रोपण किया जा सकता है। पौध-रोपण में दो से तीन वर्ष के पौधे ही लगाए जाने चाहिए। उन्होंने वन विभाग को बड़े पौधे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। पर्यावरण विषय पर शोध, प्रशिक्षण तथा परियोजना निर्माण के लिए समन्वय में एप्को की भूमिका को मजबूत बनाने की जरूरत बताई। प्रतिवर्ष साधारण सभा की बैठक, विश्व पर्यावरण दिवस से एक पखवाड़े में किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने अंकुर अभियान में रोपित पौधों की उत्तरजीविता की जानकारी लेने और मृत पौधों का पुनर्रोपण किए जाने की आवश्यकता बताई। इंदौर के सिरपुर, यशवंत सागर और शिवपुरी के संख्या सागर तालाब को केन्द्र सरकार द्वारा रामसर साइट के रूप में चिन्हित किए जाने पर राज्य सरकार को बधाई दी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के गुणवत्ता मानकों के आधार पर नदियों के प्रदूषण के क्षेत्र को चिन्हित कर खान, शिप्रा, बेतवा और सोन नदी के पर्यावरणीय-संरक्षण के कार्य कराये जाने के लिए कहा।

मिशन लाइफ पुस्तक लोकार्पित

राज्यपाल श्री पटेल ने पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली की दिशा में व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों के प्रशिक्षण के लिए तैयार की गई ÷मिशन लाइफ%% पुस्तक का लोकार्पण किया। महानिदेशक एप्को श्री गुलशन बामरा ने एप्को के गठन, गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यपालक संचालक श्री मुजीबुर्रहमान खान ने कार्य-सूची का प्रस्तुतिकरण बिन्दुवार किया। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस, अपर मुख्य सचिव पंचायत और ग्रामीण विकास श्री मलय श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री नीरज मण?डलोई, राज्यपाल के प्रमुख सचिव श्री डी.पी. आहूजा एवं साधारण सभा के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

डबल्यूसीआरईयू के सैकड़ों पधाधिकारी मजदूर संघ में शामिल

भोपाल। पश्चिम मध्य रेलवे मजदूर संघ की 10 जून 2023 को आयोजित मंडल परिषद की बैठक आयोजित हुई जिसमें जे. ए. नियाजी सहायक महामंत्री एवं अध्यक्ष मेन ब्रांच डबल्यूसीआरईयू, दीपक मालवीया कोषाध्यक्ष रेल संस्थान डबल्यूसीआरईयू, जितेन्द्र मालवीय कार्यकारिणी सदस्य रेल संस्थान डबल्यूसीआरईयू के 5 अन्य पदाधिकारियों के साथ सैकडों कार्यकर्ताओं ने सी. एम. उपाध्याय जोनल अध्यक्ष, अशोक शर्मा महामंत्री, दिनेश त्रिपाठी सचिव समाज कल्याण केंद्र एवम कार्यकारी अध्यक्ष, राजेश पाण्डेय मंडल अध्यक्ष की उपस्थिति में मजदूर संघ का हाथ थामा।

बहनों के चेहरे पर मुस्कान लाना मेरी जिंदगी का मकसद - मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बहनों की जिंदगी बदल कर उनके चेहरे पर मुस्कान लाना मेरी जिंदगी का मकसद है। मेरी कोई भी बहन मजबूर न रहे, मजबूत बने, इसीलिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना शुरू की गई है। योजना से बहनों के पास पैसों की कमी की बेबसी को दूर किया गया है। बहनों को दिए जा रहे 1000 रूपये को धीरे-धीरे बढ़ा कर 3000 रूपये किया जायेगा। मुख्यमंत्री कटनी जिले के ग्राम बंजारी स्थित रामराजा पहाड़ी पर श्री हरिहर तीर्थ में सामुदायिक भवन और कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र भवन के भूमि-पूजन के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह सच है कि रोटी, कपड़ा, मकान, पढ़ाई, दवाई और रोजगार का इंतजाम जरूरी है। लेकिन मनुष्य इससे सुखी नहीं रहता, कभी न कभी इच्छा होती है कि दुनिया से जाने के पहले चारों धाम के दर्शन हो जाये। सभी देवताओं की पूजा कर लें तो लगता है कि जीवन सफल हो गया। इसी विचार से सरकार ने मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना शुरू की है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जनता की सेवा मेरे लिए भगवान की पूजा है। विधायक श्री संजय सत्येन्द्र पाठक ने सारे तीर्थ यहीं पर उतारने का पुण्य-कार्य शुरू किया है, इस पुण्य संकल्प के लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएँ। इस परिकल्पना को मूर्त रूप देने और धरातल में उतारने के लिए जिस सहयोग की जरूरत होगी वह दिया जाएगा। सरकार द्वारा संस्कृत महाविद्यालय आदि के लिये जो भी जरूरी होगा, किया जाएगा।

फेलिक्स पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सफलतम 25 वर्ष

भोपाल। 1998 में स्थापित फेलिक्स पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के सफलतम 25 वर्ष पूर्ण किए हैं हाल ही में घोषित 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम में स्कूल के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया दसवीं कक्षा में 90त्न एवं 12वीं कक्षा में 80त्न छात्र में सफलता हासिल की एवं अधिकतम 90त्न से अधिक रहे फेलिक्स पब्लिक हाई सेकेंडरी स्कूल के संचालक अब्दुल सत्तार ने बताया कि उनके द्वारा छात्रों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाता है रोज प्रैक्टिकल का शेड्यूल है नवीन नगर ऐशबाग स्थित फेलिक्स पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल के सफलतापूर्वक 25 वर्ष पूर्ण करने पर अब्दुल सत्तार ने सभी का आभार व्यक्त किया अब्दुल सत्तार ने बताया कि उनकी कोशिश है कि पैसों के अभाव में कोई भी प्रतिभा व्यर्थ ना जाए इसलिए उनके द्वारा गरीब बच्चों को हर संभव सहायता का प्रयास किया जाता है

हार्टफुलनेस एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद , नि: शुल्क योग

भोपाल। जन अभियान परिषद के सहयोग से हार्टफुलनेस ने मध्य प्रदेश के एक करोड़ से अधिक निवासियों को हार्टफुलनेस योग और ध्यान अभ्यास, जीवन कौशल कार्यक्रम मुफ्त में शुरू करने के उद्देश्य से %एकात्म अभियान% - हर दिल ध्यान, हर दिन ध्यान नामक एक अभियान शुरू किया है, जो 4 मई 2023 से शुरू होकर 21 जून 2023 तक चलेगा। मिशन को एक करोड़ जीवन, 40000 गाँवों, 52 जिलों, 313 ब्लॉकों तक पहुँचाया जा रहा है; श्री राम चंद्र मिशन के अध्यक्ष और पद्म भूषण से सम्मानित हार्टफुलनेस के आध्यात्मिक मार्गदर्शक श्रद्धेय दाजी के गहन मार्गदर्शन में 10000 से अधिक स्वयंसेवकों और 12000 से अधिक मास्टर ट्रेनरों की सहायता से 90 लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया।

आज के कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों की भागीदारी देखी गई जैसे - डॉ धीरेंद्र पांडे - कार्यकारी निदेशक, जन अभियान परिषद, श्री बी आर नायडू - महानिदेशक, जन अभियान परिषद और श्री उमा शंकर वाजपेयी - श्री राम चंद्र मिशन के सचिव सहित अन्य उल्लेखनीय श्री आरके त्रिपाठी - एसआरसीएम के वरिष्ठ कानूनी सलाहकार, श्री अनिल कुमार एसजी - संस्थापक और सीईओ, समुन्नति समूह, श्री सुनील नायडू - वरिष्ठ अधिकारी -स्त्रष्टरू श्री गजेंद्र गौतम - क्षेत्रीय सूत्रधार हार्टफुलनेस और सुश्री रूचि वर्धन मिश्रा - संयोजक, एकात्म अभियान के अलावा हार्टफुलनेस के ही 10,000 से अधिक स्वयंसेवक।

कार्यक्रम के लक्षित दर्शकों में स्कूलों और कॉलेजों के छात्र, गाँव और जिला स्तर पर डॉक्टर और स्वास्थ्य विभाग के पेशेवर एवं विभिन्न विभागों और साझेदार संस्थानों के सरकारी कर्मचारी शामिल हैं। मध्य प्रदेश के 52 जिला मुख्यालयों और 313 ब्लॉक मुख्यालयों के 40000 गाँवों के अधिकतम निवासियों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए तैयार किया गया है।.

हार्टफुलनेस और जन अभियान परिषद, दोनों मिलकर मध्य प्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों और गांवों में योग, मुद्रा, आसन, प्राणायाम के बारे में जन जागरूकता के लिए प्रयास कर रहे हैं। ÷एकात्म अभियान÷ का उद्देश्य योग और ध्यान के माध्यम से स्वयं से जुड़ना और एकता, सामाजिक सद्भाव, अच्छे स्वास्थ्य और तनाव से मुक्ति के साथ योग की अवधारणा को ग्रामीण स्तर पर एक जीवन शैली के रूप में स्थापित करना है। साथ ही युवा छात्रों के लिए हार्टफुलनेस ब्राइटर माइंड्स कार्यक्रम को हर गाँव में लाया जा रहा है।

यह पहली बार नहीं है जब मध्य प्रदेश सरकार ने हार्टफुलनेस के साथ हाथ मिलाया है अपितु उनकी संयुक्त वनीकरण गतिविधियों, व्यक्तियों को सशक्त बनाने, समुदायों को समृद्ध करने और नशामुक्ति अभियानों में पहले भी ऐसा किया गया है।

श्री राम चंद्र मिशन के अध्यक्ष और पद्म भूषण से सम्मानित हार्टफुलनेस के मार्गदर्शक, श्रद्धेय दाजी ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, ÷योग और ध्यान हमारी दैनिक जीवन शैली के मूल में होना चाहिए। केंद्र में होने का अर्थ अपने जीवन में हम जो कुछ भी करते हैं और जिस तरह से हम अपने जीवन को संचालित करते हैं, उसमें एक संतुलन लाना भी है।

चार राज्यों में भाजपा और कांग्रेस के सामने चुनौतियां

–अरुण पटेल

2023 के अन्त में जिन प्रमुख चार राज्यों में राज्य विधानसभा के चुनाव होना हैं वहां टीआरएस जो अब बीआरएस हो चुकी है के मुखिया और मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सामने अपनी–अपनी सरकार को बचाने के रास्ते में कांटे बिछाने में विपक्षी दल कोई कोर–कसर बाकी नहीं रखेंगे। भाजपा और कांग्रेस के सामने सबसे अधिक चुनौतियों का हिमालय खड़ा हुआ है जिसे पार करने के बाद ही ये अपना मन चाहा लक्ष्य प्राप्त कर पायेंगे। भाजपा की चाहत है कि मध्यप्रदेश में उसकी सरकार जो कि उधारी के सिंदूर पर बनी है वह बची रहे और राजस्थान व छत्तीसगढ़ में भी वह अपनी सरकार बना सके। वहीं तेलंगाना में कांग्रेस और भाजपा के सामने आपस में एक–दूसरे पर बढ़त लेने की चुनौती है क्योंकि वहां केसीआर की सत्ता को हिलाना फिलहाल तो आसान नजर नहीं आ रहा। लेकिन इन दोनों में से कौन बड़ी पार्टी बनेगी इसकी इनमें होड़ होगी। कर्नाटक में कांग्रेस की चमकदार जीत के बाद उसके हौंसले अधिक बुलंद हैं तथा उसे भरोसा है कि मध्यप्रदेश में वह फिर 2018 के चुनाव नतीजों को दोहरायेगी तथा अपनी सरकार बनाएगी जबकि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में वह फिर से सत्ता में आ जायेगी। तेलंगाना में भी वह बीआरएस को टक्कर देने के मंसूबे पाल रही है। के. चन्द्रशेखर राव भी तेलंगाना से बाहर पैर पसारने के लिए दोनों दलों के दलबदलुओं पर नजर लगाये हुए हैं। भाजपा को राजस्थान में कांग्रेस नेता सचिन पायलट से काफी उम्मीदें हैं तो छत्तीसगढ़ में वह नये लोगों को पार्टी से जोड़ने की कोशिश कर रही है। फिलहाल मंसूबे और हसरतें तो हर दल की हिमालयीन उछाल मार रही हैं लेकिन असली फैसला तो मतदाताओं के हाथ में है और यह चुनाव नतीजों से पता चल सकेगा कि उसे किसके चुनावी वायदों और नेतृत्व पर भरोसा है।

जहां तक मध्यप्रदेश का सवाल है भाजपा को इस बात का पक्का भरोसा है कि उसके बूथ सशक्तिकरण अभियान तथा अपनी पिछली ताकत के साथ ज्योतिरादित्य सिंधिया के भी साथ आ जाने से उसे इस बार चुनाव जीतने में कोई परेशानी नहीं होगी और पिछली बार की भांति किनारे लगने के थोड़ा पहले ही उसकी नौका डावांडोल नहीं होगी। तो वहीं दूसरी ओर ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में जाने के बाद से कांग्रेस भले ही सरकार चली गई हो लेकिन राहत की सांस ले रही है क्योंकि उसे भरोसा है कि अब आपसी गुटबंदी न्यूनतम हो गई है और सब नेता मिलकर काम कर रहे हैं। कमलनाथ व दिग्विजय सिंह जैसे दो बड़े चेहरे कांग्रेस के पास हैं इसलिए वह भी मजबूत पायदान पर है। फिलहाल कांग्रेस के सभी छोटे–बड़े नेता यहां सक्रिय हो चुके हैं और जिसे जो काम दिया गया है उसे वह पूरी शिद्दत के साथ कर रहा है। कमलनाथ जहां मैदानी मोर्चा संभाले हुए हैं तो दिग्विजय सिंह कार्यकर्ताओं को एकजुट करने और उनसे यह वायदा लेने में भिड़ गए हैं कि यदि टिकट नहीं मिलेगी तो भी वह पार्टी का काम करेंगे तथा बतौर निर्दलीय चुनाव नहीं लड़ेंगे। जहां तक भाजपा का सवाल है उसके पास एक मजबूत संगठन है और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ताओं की फौज भी है। इस सबके बावजूद उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती बकौल भाजपा नेताओं, यही है कि वह 'महाराज भाजपा, नाराज भाजपा और शिवराज भाजपा' के बीच तालमेल कैसे बैठाए। मध्यप्रदेश में केसीआर आदिवासियों व पिछड़े वर्गो के कुछ नेताओं को अपने साथ लाकर तीसरी राजनीतिक ताकत बनने की कोशिश कर रहे हैं। फ्यूज बल्बों के सहारे वह अपना आशियाना रोशन करना चाहते हैं। अभी तक तो भाजपा–कांग्रेस के अलावा किसी अन्य दल के लिए यहां की धरा उर्वरा नहीं रही है इसलिए केसीआर के मंसूबे कितने परवान चढ़ेंगे या फिर निराशा हाथ लगेगी यह चुनाव बाद ही पता चल सकेगा।

राजस्थान में गहलोत के सामने चुनौती

राजस्थान की परम्परा लम्बे समय से हर पांच साल में सरकार बदलने की रही है और इस बार बारी भाजपा की है। लेकिन जहां तक गुटबंदी का सवाल है कांग्रेस में गहलोत और सचिन पायलट के दो ही खेमे हैं। दूसरी ओर भाजपा में लगभग आधा दर्जन नेता मुख्यमंत्री बनने के सपने देख रहे है और उनकी प्राथमिकता कांग्रेस से पहले पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता वसुंधरा राजे सिंधिया को किनारे लगाने की है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आज भी वसुंधरा की मजबूत पकड़ यहां बनी हुई है। इसी प्रकार गहलोत ने सामाजिक सरोकारों और हितग्राहियों को सीधे लाभ पहुंचाने वाली कुछ ऐसी योजनायें चालू कर दी हैं जिससे उनका ग्राफ काफी बढ़ गया है। यदि सचिन पायलट और उनके बीच जुगलबंदी हो जाती है तथा दोनों अपने मनभेद और मतभेद भुलाकर एक हो जाते हैं तो फिर कांग्रेस की चुनावी नौका आसानी से पार लग जायेगी और यहां की रिवायत भी बदल जायेगी। लेकिन यह इतना आसान नहीं है क्योंकि दोनों के बीच परस्पर अविश्वास की खाई कम होने की जगह बढ़ती नजर आ रही है। कांग्रेस आलाकमान ने सुलह–समझौते के जो प्रयास किए थे उसका कितना असर हुआ और जो फार्मूला तय किया था उसका कितना अमल होता है इस पर ही गहलोत व पायलट के बीच मिलकर काम करने की स्थितियां पैदा होंगी। 'मिले सुर मेरा तुम्हारा तो सुर बने हमारा' यदि हो जाता है तभी कांग्रेस की चुनावी संभावनायें यहां कुछ चमकीली हो सकती हैं। वैसे जब से गहलोत मुख्यमंत्री बने हैं उसी समय से उनके और सचिन पायलट के बीच अनबन चालू हो गयी थी और दिन प्रतिदिन कम होने की जगह बढ़ती ही गयी, फिर भी जितने उपचुनाव हुए उनमें कांग्रेस सफल रही और भाजपा अधिकांश स्थानों पर तीसरे, चौथे और अंतिम पायदान तक खिसक गयी। यहां पर भाजपा की चुनावी सम्भावनायें तभी चमकीली हो सकती हैं जब यहां के नेताओं और वसुंधरा के बीच पटरी बैठ जाये, क्योंकि भाजपा आलाकमान ही वसुंधरा को दरकिनार कर नये नेतृत्व को उभारना चाहता है। लेकिन क्या वह इस सीमा तक जायेगा जिससे कि उसकी सत्ता में आने की संभावनायें ही धूमिल हो जायें।

छत्तीसगढ़ में बढ़ता बघेल का कद : छत्तीसगढ़ की राजनीति में इन दिनों मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का कद काफी बढ़ा हुआ है और भाजपा उनके सामने कितनी टिक पायेगी यह कुछ समय बाद ही पता चलेगा। फिलहाल तो वह चुनौतीहीन स्थिति में नजर आ रहे हैं। जहां तक विधायकों का सवाल है यहां पर भाजपा विधायकों की संख्या डेढ़ दर्जन से भी कम है और जितने उपचुनाव हुए उनमें सारी सीटें कांग्रेस ने भाजपा और अजीत जोगी की पार्टी से छीन ली हैं। फिलहाल कमजोर भाजपा को मजबूत पायदान पर लाने के लिए प्रदेश प्रभारी ओम माथुर एड़ी–चोटी का जोर लगा रहे हैं और दलबदल का तड़का भी लगाया जा रहा है। बघेल की राह कितनी मुश्किल होगी यह इस पर निर्भर होगा कि माथुर के प्रयास कितना रंग लाते हैं। इसके साथ ही यदि भाजपा ने गुजरात व कर्नाटक के फार्मूले पर स्थापित चेहरों को दरकिनार करने की कोशिश की तो उसे यहां इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ सकता है। क्योंकि कुछ नेताओं की अपनी भी छवि है और क्षेत्रों में पकड़ भी है।

और यह भी: तेलंगाना में अभी भी मुख्यमंत्री केसीआर का जादू मतदाताओं के सिर चढ़ कर बोल रहा है और फिलहाल जब तक कि कोई चमत्कार न हो उनकी सत्ता को खतरा नजर नहीं आ रहा। हालांकि चुनावों में अक्सर चमत्कार की गुंजाइश भी बनी रहती है। असददुदीन ओवेसी की पार्टी से उनका तालमेल है और यदि यह तालमेल बना रहता है तो इससे कांग्रेस की उम्मीदों पर घड़ों पानी फिर सकता है, ऐसे में भाजपा कुछ अच्छे नतीजे लाते हुए यहां कांग्रेस से आगे निकल सकती है।

वरिष्ठ आईपीएस पुरूषोत्तम शर्मा जौरा से चुनाव लड़ेंगे!

सुनी सुनाई

रवीन्द्र जैन

मप्र के सबसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पुरूषोत्तम शर्मा ने नौकरी छोड़ने का आवेदन देकर मुरैना जिले की जौरा सीट से विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी शुरु कर दी हैं। खबर आ रही है कि शर्मा ने जौरा में प्लॉट खरीदकर घर बनाना भी शुरू कर दिया है। वे जौरा के आसपास के गांव में सक्रिय भी हो गये हैं। शर्मा ने वहां लोगों को बताया कि कांग्रेस के कमलनाथ से टिकट की चर्चा हो गई है। वैसे शर्मा ग्वालियर जिले के डबरा के रहने वाले हैं। जौरा ब्राह्मण बहुत सीट होने के कारण शर्मा ने वहां का रूख किया है। शर्मा के साथ उपलब्धि से ज्यादा विवाद जुड़े हुए हैं। उनकी पत्नी ने उन्हें एक महिला के घर रंगे हाथ पकड़ा था। इसके बाद दोनों पति पत्नि में जमकर मारपीट हुई। मारपीट का वीडियो वायरल होने के बाद राज्य सरकार ने शर्मा को निलंबित कर दिया था। शर्मा हाईकोर्ट से बहाल हो गये हैं। लेकिन सरकार ने उन्हें कोई काम नहीं दिया है। वैसे जौरा में पंकज उपाध्याय और मानवेंद्र सिंह सिकरवार ÷गांधी÷ भी कांग्रेस से टिकट मांग रहे हैं।

सिंधिया कैम्प में कमलनाथ की सेंधमारी!

मप्र में चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने ज्योतिरादित्य सिंधिया कैम्प में बड़ी सेंधमारी की तैयारी कर ली है। इसका असर इसी सप्ताह दिखाई देगा। सिंधिया के बेहद नजदीकी नेता बैजनाथ सिंह यादव भारी दल बल के साथ कांग्रेस का दामन थाम सकते हैं। बैजनाथ सिंह यादव शिवपुरी के कद्दावर नेता हैं। उनकी पत्नी कमला यादव शिवपुरी जिला पंचायत की अध्यक्ष रह चुकी हैं। बैजनाथ सिंह यादव मूलत÷ कांग्रेसी हैं। सिंधिया के साथ वे भाजपा में चले गये थे। खबर आ रही है कि अब बैजनाथ का भाजपा और सिंधिया दोनों से मोहभंग हो गया है। यह भी चर्चा है कि बैजनाथ सिंह कोलारस से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ना चाहते हैं। बैजनाथ सिंह यादव लगभग 500 वाहनों के काफिले के साथ भोपाल आकर कांग्रेस में वापसी करने की तैयारी कर रहे हैं।

सागर भाजपा की बीमारी उज्जैन तक पहुंची!

सागर जिले में भाजपा के मंत्री विधायकों के बीच चल रहा विवाद अभी थमा भी नहीं था कि यह बीमारी उज्जैन भी पहुंच गई है। खबर आ रही है कि भाजपा का ही एक ताकतवर खेमा मंत्री मोहन यादव के पीछे हाथ धोकर पड़ गया है। पहले भोपाल के एक यूट्यूब चैनल पर मोहन यादव की सम्पत्ति में बेतहाशा बढोत्तरी की खबर चलाई गई। इसके बाद उज्जैन के मास्टर प्लान में मोहन यादव और उनके परिवार की जमीनें सिंहस्थ से मुक्त कराकर आवासीय करने का मामला जोरशोर से उछाला गया है। इन दो खबरों ने मोहन यादव को अंदर तक हिलाकर रख दिया है। यादव को भी भनक लग गई है कि किस तरह पार्टी के लोग ही उनके खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। इधर खबर आ रही है कि प्रदेश के दिग्गज मंत्री भूपेन्द्र सिंह की सम्पत्ति की लोकायुक्त में जांच शुरू होने के बाद बीना के भाजपा विधायक की सम्पत्ति की जानकारी एकत्रित की जा रही है।

जेपी एसोसिएट्स मप्र में ब्लैक लिस्टेड

यह नाम याद है या भूल गये? एक समय मप्र में ऐसा माहौल था कि प्रदेश की भाजपा सरकार को इसी कंपनी के मालिक चला रहे हैं। इस कंपनी के विमान में तत्कालीन स्पीकर और मंत्री घूमा करते थे। बदले में कंपनी को सैकड़ों करोड़ के ठेके मिले। कंपनी के मालिक को भारत भवन का डायरेक्टर भी नियुक्त किया गया था। लेकिन अब ताजा खबर यह है कि मप्र के जल संसाधन विभाग ने इस कंपनी का पंजीयन निलंबित करते हुए इसे दो वर्ष के लिए ब्लेक लिस्टेड कर दिया है। कंपनी पर आरोप है कि इसने रीवा और सतना की दो बड़ी सिंचाई परियोजना का काम ठेके पर लिया था। लेकिन न तो समय सीमा में इन परियोजनाओं का निर्माण कर रही है और न ही विभाग के नोटिस का संतोषजनक जबाव दे रही है। इस कारण किसानों को फसल का लगभग 1715 करोड़ का नुकसान हो चुका है। जेपी एसोसिएट्स को यह ठेके 2017 में दिए गये थे।

महाकाल की एक और शिकायत पीएमओ पहुंची

उज्जैन के महाकाल लोक में घटिया मूर्तियों का मामला अभी ठण्डा भी नहीं हुआ कि इसी वर्ष शिवरात्रि पर महाकाल मंदिर में 19 लाख दीपक जलाने का रिकार्ड बनाने और घी दीपक बाती का अभी तक भुगतान न करने की शिकायत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की गई है। दरअसल उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली दीपावली पर अयोध्या में 15.76 लाख मिट्टी के दीपक जलाकर रिकार्ड बना दिया था। मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महाशिवरात्रि यानि 18 फरवरी 2023 को उज्जैन के महाकाल मंदिर प्रांगण में 21 लाख दीपक जलाने का रिकार्ड बनाने की घोषणा कर दी। उज्जैन नगर निगम को दीपक तेल बाती की व्यवस्था सौंपी गई। निगम ने टेंडर जारी किये। लगभग दो करोड़ की लागत से 18 लाख 82 हजार 229 दीपक जलाये गये। लेकिन उज्जैन, इंदौर, देवास के जिन दुकानदारों ने दीपक तेल बाती सप्लाई की उनका भुगतान आज तक नहीं हुआ। सभी दुकानदारों ने इसकी एक सामूहिक शिकायत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजकर भुगतान कराने की गुहार लगाई है।

एक साथ तीनों मंत्री गायब

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की समझाइश के बाद भी सागर जिले के तीनों मंत्रियों में अभी सामान्य बोलचाल भी शुरू नहीं हुई है। इसका असर जिले की विकास योजनाओं पर भी पड़ रहा है। इस सप्ताह सागर जिले के बीना शहर में 29 करोड़ की लागत से बने आरओबी (पुल) का उद्घाटन होना था। इसके लिए एनएचएआई ने जिले के तीनों मंत्रियों को आमंत्रित किया था। बीना शहर में तीनों मंत्रियों के फोटो के साथ विज्ञापन व होर्डिंग भी लग गये। लेकिन तीनों मंत्री कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। मजबूरी में सागर के सांसद राजबहादुर सिंह और बीना विधायक महेश राय ने इस आरओबी (ओवर ब्रिज) का शुभारंभ किया। सागर में आजकल मप्र के कद्दावर मंत्री भूपेन्द्र सिंह के खिलाफ दो मंत्रियों गोपाल भार्गव व गोविन्द राजपूत, दो भाजपा विधायकों शैलेन्द्र जैन व प्रदीप लाहरिया और भाजपा जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने मोर्चा खोल रखा है।

और अंत में....!

कांग्रेस और कमलनाथ के पक्ष में भोपाल में एक चमत्कारी बाबा का दिव्य दरबार लगाने की तैयारी है। यह बाबा जबलपुर के रहने वाले हैं। इनके बारे में चर्चा है कि इन्हें भी बागेश्वर महाराज की तरह कुछ दिव्य शक्तियां प्राप्त हैं। बाबा लोगों के मन की बात पर्ची पर लिख देते हैं। बाबा अभी ज्यादा चर्चित नहीं हैं। भोपाल के एक मीडिया ग्रुप के मालिक इन बाबा की शक्तियों से प्रभावित हैं। उन्होंने ही बाबा से संपर्क कर भोपाल में कांग्रेस के पक्ष में दरबार लगाने के लिए तैयार किया है। इस महीने के अंत तक बाबा जी का पहला दरबार भोपाल में लग सकता है। जैसे बागेश्वर महाराज दिव्य दरबार के अलावा कथा सुनाते हैं, वैसे ही यह बाबा सुन्दर कांड का पाठ करते हैं।

रक्तदान दिवस–14 जून 2023 पर विशेष

रक्तदान नयी जिन्दगी देने का पुण्य

-: ललित गर्ग :-

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा हर साल 14 जून को 'विश्व रक्तदान दिवस' मनाया जाता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रोत्साहित करने के लिये हर वर्ष यह दिवस मनाया जाता है। इंसान की सम्पत्ति का कोई मतलब नहीं अगर उसे बांटा और उपयोग में नहीं लाया जाए, चाहे वे शरीर का रक्त ही क्यों न हो। किसी व्यक्ति की रक्तअल्पता के कारण मृत्यु न हो, इस दृष्टि से रक्तदान एक महान् दान है, जो किसी को जीवन-दान देने के साथ हमें स्वर्ग-पथ की ओर अग्रसर करता है। ऐसा दानदाता समाज, सृष्टि एवं परमेश्वर के प्रति अपना कर्त्तव्य पालन करता है। रक्तदान का दाता कोई भी हो सकता है, जिसका रक्त किसी अत्यधिक जरुरतमंद मरीज को दिया जा सकता है। किसी के द्वारा दिये गये रक्त से किसी को नया जीवन मिल सकता है, उसकी जिन्दगी में बहार आ जाती है।

दरअसल विश्व रक्तदान दिवस, शरीर विज्ञान में नोबल पुरस्कार प्राप्त कर चुके वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन की याद में पूरी विश्व में मनाया जाता है, उनका जन्म 14 जून 1868 को हुआ था। उन्होंने मानव रक्त में उपस्थित एग्ल्युटिनिन की मौजूदगी के आधार पर रक्तकणों का ए, बी और ओ समूह की पहचान की थी। रक्त के इस वर्गीकरण ने चिकित्सा विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसी खोज के लिए महान वैज्ञानिक कार्ल लैंडस्टाईन को साल 1930 में नोबल पुरस्कार दिया गया था। उनकी इसी खोज से आज करोड़ों से ज्यादा लोग रक्तदान रोजाना करते हैं और इसी के कारण लाखों की जिंदगियां बचाई जाती हैं, जिससे रक्त प्राप्त करने वाले व्यक्ति को एक नयी जिंदगी और उनके परिवारों के चेहरे पर एक प्राकृतिक मुस्कुराहट देता है। रक्त की जरूरत पड़ने पर उसके लिए पैसे देने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए, इसी उद्देश्य से हर साल लोगों को जागरूक करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। विश्व रक्तदान दिवस पर रक्त दान करने के लिए समझाया जाता है तथा रक्त दान करने की क्या प्रक्रिया होती है उसके बारे में उचित शिक्षा दी जाती है। रक्त-दान किनको करना चाहिए और किन को नहीं करना चाहिए इस बारे में उचित जानकारी देने का कार्य इस दिवस के माध्यम से किया जाता है।

भारत विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने के बावजूद रक्तदान में काफी पीछे है। रक्त की कमी को खत्म करने के लिए विश्व भर में रक्तदान दिवस मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के तहत भारत में सालाना एक करोड़ यूनिट रक्त की जरूरत है लेकिन उपलब्ध 75 लाख यूनिट ही हो पाता है। यानी करीब 25 लाख यूनिट रक्त के अभाव में हर साल हजारों मरीज दम तोड़ देते हैं। यह अकारण नहीं कि भारत की आबादी भले ही डेढ़ अरब पहुंच गयी हो, रक्तदाताओं का आंकड़ा कुल आबादी का एक प्रतिशत भी नहीं पहुंच पाया है। वहीं दुनिया के कई सारे देश हैं जो इस मामले में भारत को काफी पीछे छोड़ देते हैं। मालूम हो कि नेपाल में कुल रक्त की जरूरत का 90 फीसदी स्वैच्छिक रक्तदान से पूरा होता है तो श्रीलंका में 60 फीसदी, थाईलेण्ड में 95 फीसदी, इण्डोनेशिया में 77 फीसदी और अपनी निरंकुश हुकूमत के लिए चर्चित बर्मा में 60 फीसदी हिस्सा रक्तदान से पूरा होता है।

रक्तदान को लेकर विभिन्न भ्रांतियां समाज में परिव्याप्त है। रक्त की महिमा सभी जानते हैं। रक्त से आपकी जिंदगी तो चलती ही है साथ ही कितने अन्य के जीवन को भी बचाया जा सकता है। भारत में अभी भी बहुत से लोग यह समझते हैं कि रक्तदान से शरीर कमजोर हो जाता है और उस रक्त की भरपाई होने में महीनों लग जाते हैं। इतना ही नहीं यह गलतफहमी भी व्याप्त है कि नियमित रक्त देने से लोगों की रोगप्रतिरोधक क्षमता कम होती है और उसे बीमारियां जल्दी जकड़ लेती हैं। यहाँ भ्रम इस कदर फैला हुआ है कि लोग रक्तदान का नाम सुनकर ही सिहर उठते हैं। भला बताइए क्या इससे पर्याप्त मात्रा में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है? विश्व रक्तदान दिवस समाज में रक्तदान को लेकर व्याप्त भ्रांति को दूर करने का और रक्तदान को प्रोत्साहित करने का काम करता है। भारतीय रेडक्रास के अनुसार देश में रक्तदान को लेकर भ्रांतियाँ कम हुई हैं पर अब भी काफी कुछ किया जाना बाकी है। किसी व्यक्ति को रक्त की आवश्यकता क्यों होती है इसके विभिन्न कारण हैं। एक बीमारी, दुर्घटना असाध्य ओपरेशन कुछ भी हो सकती है, लेकिन यह महत्वपूर्ण है। हम जो रक्त दान करते हैं वह किसी जरूरतमंद की मदद करता है। यह उनकी स्वास्थ्य स्थिति को बढ़ाते हुए नया जीवन देता है और उन्हें उनकी गंभीर स्थिति से उबारता है।

रक्तदान करते हुए डोनर के शरीर से केवल 1 यूनिट रक्त ही लिया जाता है। एक बार रक्तदान से आप 3 लोगों की जिंदगी बचा सकते हैं। ब्लड डोनेशन की प्रक्रिया काफी सरल होती है और रक्त दाता को आमतौर पर इसमें कोई तकलीफ नहीं होती हैं। रक्त दाता का वजन, पल्स रेट, ब्लड प्रेशर, बॉडी टेम्परेचर आदि चीजों के सामान्य पाए जाने पर ही डॉक्टर्स या ब्लड डोनेशन टीम के सदस्य आपका ब्लड लेते हैं। पुरुष 3 महीने और महिलाएं 4 महीने के अंतराल में नियमित रक्तदान कर सकती हैं। यदि आप स्वस्थ हैं, आपको किसी प्रकार का बुखार या बीमारी नहीं हैं, तो ही आप रक्तदान कर सकते हैं।

रक्तदान खुशी देने एवं खुशी बटोरने का एक जरिया है। एक चीनी कहावत- पुष्प इकट्ठा करने वाले हाथ में कुछ सुगंध हमेशा रह जाती है। जो लोग दूसरों की जिंदगी रोशन करते हैं, उनकी जिंदगी खुद रोशन हो जाती है। रक्तदान ऐसा पुण्य है जो किसी को नयी जिन्दगी देता है तो खुद को भी खुशी का अहसास कराता है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं खुशी का कोई निश्चित मापदंड नहीं होता। एक मां बच्चे को स्नान कराने पर खुश होती है, छोटे बच्चे मिट्टी के घर बनाकर, उन्हें ढहाकर और पानी में कागज की नाव चलाकर खुश होते हैं। इसी तरह विद्यार्थी परीक्षा में अव्वल आने पर उत्साहित हो सकता है। सड़क पर पड़े सिसकते व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाना हो या भूखें-प्यासे-बीमार की आहों को कम करना, अन्याय और शोषण से प्रताड़ित की सहायता करना हो या सर्दी से ठिठुरते व्यक्ति को कम्बल ओढ़ाना, किन्हीं को नेत्र ज्योति देने का सुख है या जीवन और मृत्यु से जूझ रहे व्यक्ति के लिये रक्तदान करना-ये जीवन के वे सुख है जो इंसान को भीतर तक खुशियों से सराबोर कर देते हैं।

रक्तदान पूरे विश्व में मनाये जाने वाले महत्त्वपूर्ण दिवसों में से एक है। कोई भी व्यक्ति चाहे, वह किसी भी उम्र, जाति, धर्म और समुदाय का हों, वह रक्तदान कर सकता है। किसी व्यक्ति के जीवन में रक्तदान के महत्व को समझने के साथ ही रक्तदान करने के लिये आम इंसान को प्रोत्साहित करना इस दिवस को मनाने का उद्देश्य है। भारत महर्षि दधीचि जैसे ऋषियों का देश है, जिन्होंने एक कबूतर के प्राणों व असुरों से जन सामान्य की रक्षा के लिये अपना देहदान कर दिया था। परंतु समय के साथ भारत में रक्तदान की प्रवृत्ति में गिरावट देखी गई। निश्चित तौर पर रक्तदान करके किसी अन्य व्यक्ति की जिंदगी में नई उम्मीदों का सवेरा लाया जा सकता है। इस तरह रक्तदान करने से एक प्रेरणादायी शक्ति पैदा होती है, जो अद्भुत होती है, यह ईश्वर के प्रति सच्ची प्रार्थना है। इस तरह की उदारता व्यक्ति की महानता का द्योतक है, जो न केवल आपको बल्कि दूसरे को भी प्रसन्नता, जीवनऊर्जा एवं जीवन प्रदान करती है। प्रेषक

पहलवान आंदोलन – कुछ निष्कर्ष यह भी

तनवीर जाफ़री

भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के आपराधिक पृष्ठभूमि रखने वाले बाहुबली सांसद बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ़्तारी सहित अनेक मांगों को लेकर नई दिल्ली के जंतर मंतर पर चलाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय स्तर के पहलवानों का धरना/आंदोलन फ़िलहाल स्थगित हो गया है। बृजभूषण पर ओलम्पिक पदक विजेता खिलाड़ियों द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों के सम्बन्ध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद दिल्ली पुलिस ने यौन शोषण व पाक्सो एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया था।दिल्ली पुलिस द्वारा इतने गंभीर मामलों में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद एफ़ आई आर दर्ज करने के बावजूद आरोपी की गिरफ़्तारी न किये जाने से आहत ओलम्पिक पहलवान जंतर मंतर पर धरने पर बैठ गये थे। यह आंदोलन किसानों के समर्थन से एक बड़े आंदोलन का रूप लेता जा रहा था। इसी बीच 28 मई को जब नई संसद भवन का उद्घाटन हो रहा था उसी दिन पहलवानों की ओर से नए संसद भवन पर ही महिला पंचायत भी बुला ली गयी। उस दिन भी दिल्ली में खिलाड़ियों,उनके समर्थकों व पुलिस के बीच काफ़ी रस्सा कशी रही। नये संसद भवन तक पहुँचने के लिये पहलवानों के समर्थन में आये किसान व तमाम अन्य लोग पुलिस बैरिकेड्स पर चढ़ गए उसे घसीटने व धकेलने लगे। इस संबंध में पुलिस ने पहलवानों व उनके कई समर्थकों के विरुद्ध भी मामले दर्ज किये।

अभी खिलाड़ियों का यह आंदोलन और उनके समर्थन में किसानों व विभिन्न खाप पंचायतों की जगह जगह बैठकों का दौर चल ही रहा था कि इसी बीच केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने एक ट्वीट कर आंदोलनकारी किसानों को बातचीत करने के लिये आमंत्रित किया। और अगले ही दिन आंदोलनकारी पहलवानों का एक दल खेल मंत्री से मिलने उनके निवास जा पहुंचा। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन्हें आश्वासन दिया कि भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के विरुद्ध चल रही जांच 15 जून तक पूरी कर ली जाएगी और चार्जशीट दाख़िल की जाएगी। शीर्ष पहलवानों के दल के साथ बातचीत करने के बाद अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए, ठाकुर ने स्वयं कहा कि ÷मैंने पहलवानों के साथ 6 घंटे की लंबी चर्चा की और उन्हें आश्वासन दिया कि जांच 15 जून तक पूरी कर ली जाएगी और चार्जशीट दाख़िल की जाएगी। डब्ल्यूएफ़आई के अध्यक्ष पद के लिए अगला चुनाव 30 जून तक कराया जाएगा। पहलवानों के विरुद्ध 28 मई को दर्ज की गयी सभी प्राथमिकी वापस ली जाएँगी। ÷कुश्ती महासंघ की एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाएगा। इसकी अध्यक्षता एक महिला करेगी।% खेल मंत्री द्वारा पहलवानों को दिये गये इस आश्वासन के बाद पहलवानों ने 15 जून से पहले कोई नया विरोध प्रदर्शन नहीं करने का वादा किया। बाद में पहलवानों के अपनी सरकारी ड्यूटी पर जाने की भी ख़बरें आईं और यह ख़बर भी आई कि यह पहलवान निकट भविष्य में होने वाली अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिये भी अपनी तैयारियां शुरू कर देंगे। परन्तु खेल मंत्री व पीड़ित पहलवानों की बातचीत के बाद एक बार फिर इस घटनाक्रम ने एक और नया मोड़ तब ले लिया जब ओलंपियन साक्षी मलिक व बजरंग पूनिया ने कहा कि 15 जून तक बृजभूषण की गिरफ़्तारी नहीं हुई तो 16 और 17 जून को इस मुद्दे पर चर्चा कर आंदोलन की रणनीति पुनः तैयार की जाएगी। साथ ही साक्षी मलिक ने यह भी स्पष्ट किया कि वे एशियाई खेलों में भी तभी भाग लेंगे जब इन सभी मुद्दों का समाधान हो जाएगा। दरअसल खेल मंत्री द्वारा 15 जून तक चार्जशीट दाख़िल करने के वादे के पीछे एक तकनीकी पेंच यह भी था कि 15 जून को अदालत में चार्जशीट दाख़िल करने के बाद पुलिस के हाथ से बृज भूषण सिंह की गिरफ़्तारी अदालत के कार्यक्षेत्र का विषय हो जाती और पुलिस व सरकार इससे अपना पल्ला झाड़ लेती। अब 15 जून के बाद क्या होगा यह देखना भी दिलचस्प होगा। परन्तु इस पूरे दुखदायी व शर्मनाक घटनाक्रम से कुछ निष्कर्ष तो स्पष्ट रूप से निकाले ही जा सकते हैं। एक तो यह कि इतने हाई प्रोफ़ाइल स्तर की अंतर्राष्ट्रीय पहलवानों द्वारा उनके साथ किये गये यौन शोषण की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज नहीं की। और पुलिस में अपनी प्राथमिकी दर्ज कराने के लिये पहलवान लड़कियों को सुप्रीम कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाना पड़ा। और आख़िरकार सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद ही पुलिस ने आरोपी बृजभूषण शरण सिंह के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की। इसके बाद दूसरी शर्मनाक बात यह कि पाक्सो एक्ट सहित यौन शोषण की विभिन्न धाराओं में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद मुक़ददमा दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने आरोपी को गिरफ़्तार नहीं किया। न ही आरोपी से सरकार ने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद से उसका इस्तीफ़ा तलब किया। जबकि आरोपी कहता रहा की सरकार या पार्टी जब भी कहेगी मैं इस्तीफ़ा दे दूंगा। सवाल यह है कि बेटियों को पढ़ाने व बचाने का नारा देने वाली सरकार के रहते जब इतनी हाई प्रोफ़ाइल शोषित लड़कियों की सुनवाई पुलिस द्वारा नहीं की गयी। और उन्हें सुप्रीम कोर्ट की शरण में जाना पड़ा। तो पूरे देश में आये दिन इस तरह की घटनाओं में क्या कुछ होता होगा इस बात का अंदाज़ा भी आसानी से लगाया जा सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

ध्यान कार्यशाला में शामिल हुए सेवानिवृत्त डीजीपी

ओबेदुल्लागंज संवाददाता - मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद एवं हार्टफुलनेस संस्था हैदराबाद के संयुक्त तत्वाधान में ग्राम -ग्राम में ध्यान एवं योग के कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं इसी क्रम में आज विकास खण्ड के ग्राम पंचायत इकलवाड़ा अंतर्गत उदयपुर,सिंहपुर,मुहासा में राष्ट्रपति भवन की सुरक्षा की प्रमुख जिम्मेदारी देखने एवं भारतीय पुलिस सेवा से सेवानिवृत्त डीजीपी डॉ आदित्य आर्य शामिल रहे! ध्यान के दौरान श्री रवि प्रकाश पांडे उत्तर प्रदेश लखनऊ, ध्यान प्रशिक्षक डीपी शर्मा एवं मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की ब्लॉक समन्वयक निशा पटेल नवांकुर संस्था अंबेडकर बुद्धिस्ट चैरिटेबल सोसायटी के अध्यक्ष सुनील सेरिया,वीर सिंह चौहान परामर्शदाता प्रेम नारायण सोनी एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल रहे, इस दौरान ग्रामीणों को ध्यान कराया गया एवं हर दिन ध्यान करने प्रेरित किया गया,

समय सीमा बैठक सम्पन्न

सिवनी- कलेक्टर क्षितिज सिंघल की अध्यक्षता में सोमवार 12 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी श्रीमती निधि सिंह राजपूत, अपर कलेक्टर सी.एल. चनाप, सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सहित सभी विभाग प्रमुखों की उपस्थिति रही। बैठक में कलेक्टर श्री सिंघल ने सीएम हेल्पलाईन प्रकरण, समय सीमा में दर्ज प्रकरण, पीजी पोर्टल की शिकायतों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिलेवार रैंकिंग तथा 50 दिवस से अधिक समय सीमा से लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाये। कलेक्टर श्री सिंघल ने समाधान ऑनलाईन के लिए चयनित विषयों के साथ 100 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों में भी त्वरित कार्यवाही कर संतुष्टि से निराकरण दर्ज करने तथा जन शिकायत, सीएम मॉनिट, माननीय सांसद, माननीय विधायकगणों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के पत्रों में त्वरित कार्यवाही कर प्रतिवेदन प्रेषित करने के निर्देश संबंधित अधिकरियों को दिए। उन्होंने स्वरोजगार मूलक विभागों के माध्यम से संचालित योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा करते हुए अधिकारियों को लक्ष्यानुसार पात्र हितग्राहियों के प्रकरण बैंकों को प्रेषित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

ऑफिसर्स क्लब भवन में संचालित होगा कलेक्ट्रेट कार्यालय

सिवनी- नवीन कलेक्ट्रेट भवन के निर्माण कार्यो के कारण अस्थायी रूप से कलेक्टर कार्यालय को ऑफिसर्स क्लब भवन पर स्थापित किया गया हैं। सोमवार 12 जून को कलेक्टर क्षिजित सिंघल ने धार्मिक विधि विधान से पूजा अर्चना कर कलेक्टर चेम्बर का शुभारंभ किया।

21 जून से शुरू होगा रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम

छतरपुर। ग्राम मटौंधाबेसन में श्रीराम महायज्ञ की तैयारियां जोरों से शुरू हो गयी हैं। 21 जून से 27 जून तक चलने वाले इस धार्मिक महाकुंभ के लिये पत्रकार कल्याण महासंघ के प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष रामबाबू सिंह परिहार के नेतृत्व में पूरा गांव इस आयोजन को भव्यता प्रदान करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। ज्ञात हो कि अभी एक हफ्ते पूर्व श्री परिवार के नेतृत्व में ग्रामवासियों की टीम अयोध्या जाकर श्रीराम लला की मूर्तियां लेकर ग्राम मटौंधाबेसन वापिस आई थी। उस दिन का नजारा देखने लायक था। गांव के बूढ़े से लेकर बच्चे तक भगवान श्रीराम की आगवानी के लिये बैंडबाजों के साथ गांव की सीमा पर खड़ा रहा, जहां से उन्हें ससम्मान गांव लाकर अन्न में प्रवेश करा दिया गया। अब 21 जून से प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम विशाल कलश यात्रा के साथ शुरू होने जा रहा है। तैयारियों में जुटे श्री परिहार ने बताया कि इस आयोजन को भव्यता प्रदान करने में गांव का बच्चा-बच्चा जी जान से जुटा हुआ है।

मनरेगा कार्यों की समीक्षा वर्षा के पूर्व कार्य पूर्ण करने के निर्देश

छतरपुर। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार ने जिला पंचायत सभाकक्ष छतरपुर में सीईओ जनपद सहायक यंत्री एपीओ सहायक लेखाधिकारी एवम उपयंत्रियो की समीक्षा में मनरेगा तथा जल संरक्षण कार्यो को गुणवत्ता के साथ वर्षा प्रारम्भ के पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसी तरह गौशाला सेग्रेशन, शेड, चरागाह को भी पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। पीएम आवास के कार्यों में हितग्राहियों के जाबकार्ड की ही डिमांड लगवाकर समय से मजदूरी भुगतान करें। पूर्ण गौशालाओं में गौशाला की क्षमता अनुसार न्यूनतम 100 गौवंश रखे जाने, गौशालयो की संख्या अनुसार चरागाह के कार्य स्वीकृत कर चरागाहों में नेपियर घास लगाए जाने के निर्देश दिए गए। अटल भूजल के कार्यो एवं मनरेगा के कार्यो में गुडवत्ता सुनिश्चित करने हेतु उपयंत्री एवं सहायक यंत्री की जिम्मेवारी होगी। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में गुणवत्ता पूर्ण जवाब दर्ज कर शिकायतों को समय सीमा में संतुष्टि के साथ बंद करवाने के निर्देश दिए गए। 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को प्राथमिकता से आगामी 3 दिवस में बंद करवाने के निर्देश दिए गए।

अनन्तिम चयन सूची जारी

छतरपुर,। परियोजना कार्यालय महिला एवं बाल विकास परियोजना बड़ामलहरा-2 घुवारा में खण्ड स्तरीय चयन समिति की बैठक एसडीएम की अध्यक्षता में हुई। जिसमें आंगनवाड़ी केन्द्र पनया 01 में कार्यकर्ता श्रीमती लालजवंती पति भगवान दास अहिरवार एवं सहायिका ग्राम कुटौरा में श्रीमती बेबी पति बालकिशन अहिरवार और ग्राम सोरखी में सहायिका श्रीमती लक्ष्मी पति रमेश अहिरवार का अनन्तिम चयन किया गया। दावा आपत्ति 19 जून तक परियोजना कार्यालय बड़ामलहरा में कार्यालयीन समय में कर सकते है। दावा आपत्ति का निराकरण जिला स्तर पर गठित समिति द्वारा किया जाएगा।

अंडर 13 लेदर बाल मुकाबला टीम रेड ने जीता

सिवनी- फिल्टर मैदान में आयोजित रात्रि कालीन मैचों की श्रृंखला में 11 जून 23 को गजानन प्रीमियर लीग में अंडर 13 के बच्चों का लेदर बॉल मैच कराया गया जिसमें एक टीम रेड और एक टीम यलो रही। टॉस जीतकर टीम येलो ने 20 ओवर ने 114/10 रन बना सकी जिसमें कप्तान सोहेल ने 48 रनों की पारी खेली वहीं अच्छी गेंदबाजी करते हुए टीम रेड की ओर से मनन ने 3 विकेट प्राप्त किए लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम रेड ने यह मुकाबला 5 विकेट से जीत लिया टीम रेड की ओर से कप्तान तनिष्क ने शानदार 61 रनों की पारी खेली वही अच्छी गेंदबाजी करते हुए फ़ैज़ कबीर ने 4 विकेट प्राप्त किये ।

भीषण गर्मी में बूंद-बूंद को तरस रहे ग्रामीण ,जलस्रोत सूखे

दमोह जनपद जबेरा की ग्राम पंचायत भाट खमरिया के ग्राम मैं के ग्रामीण भीषण गर्मी के दौर में बूंद बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि ग्राम के जल स्त्रोत सूख चुके हैं महिला पानी के लिए दिन हो या रात इधर उधर भटक रही गांव में जल जीवन मिशन के द्वारा पानी की सप्लाई तो शुरू कर दी गई है लेकिन हफ्ते में एक आद बार ही पेयजल की सप्लाई होती है वही ग्राम पंचायत द्वारा संचालित नल जल योजना भी लोगों को पीने का पानी नही दे पा रही और नल जल योजना 3 माह से बंद पड़ी हुई है ग्राम पंचायत सरपंच का कहना है की ग्राम पंचायत नल जल योजना में जिस बोर से पानी की सप्लाई होती थी उसमें मोटर फस गई है और बोर से मोटर निकलवाने मैं नुसकान होने की आशंका के चलते मोटर नहीं निकलवाई जा रही है इसलिए वाटर सप्लाई बंद है हैरानी की बात तो यह है ग्रामीण भीषण गर्मी में जीने के लिए जरूरी पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं लेकिन ग्राम पंचायत हो या जल जीवन मिशन के अधिकारी अपने स्तर के बहाने बनाकर लोगों को भीषण पेयजल संकट दूसरे के लिए छोड़ दिया गया है ग्रामीणों के लिए पेयजल संकट से निजात दिलाने के लिए शासन प्रशासन के द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन निरंतर पेयजल सप्लाई की बात आती है तो यह तमाम दावे खोखले साबित होते हैं

जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ सुजान सिंह का कहना है ग्राम पंचायत भाट खमरिया के गांव मगरई पेयजल समस्या समाधान के लिए जनपद सीईओ जबेरा अवगत करवाया है उन्होंने ग्राम पंचायत सचिव जन्मेजय दत्त दुवे को सप्लाई के बोर में फंसी मोटर निकालने के लिए निर्देशित किया है वही जल जीवन मिशन के अधिकारियों को भी ग्राम के पेयजल संकट से अवगत करवाया है हैरानी की बात तो यह है की ग्राम मैं महीनों से पेयजल संकट बना हुआ है ग्रामीण बूंद-बूंद पानी किल्लत से जूझ रहे हैं बावजूद इसके सरपंच सचिव लोगों की परेशानी में भी अपनी लाभ हानि देख रहे हैं

जैन कॉलोनी के रहवासियों ने सौंपा एसडीएम को ज्ञापन

बैरसिया। तहसील परिसर बैरसिया मे बन रहे नवीन स्ठरू ऑफिस का निर्माण पूर्णता के साथ-साथ, तहसील परिसर की बाउंड्रीवाल उठाने का काम भी तहसील द्वारा किया जा रहा है, चूंकि वार्ड 16 जैन कॉलोनी मे एक ही सीधी रोड है, और वह मुख्य मार्ग विदिशा रोड से जुड़ी हुई है, उसमे एक आखिरी रास्ता तहसील परिसर की ओर खत्म होता है, वार्ड वासियों का कहना है कि अगर तहसील परिसर मे बाउंड्रीवाल उठ जाएगी तो कॉलोनी वालों के जाने के रास्ते बंद हो जाएंगे। रहवासियों का कहना है कि अगर कोई अनहोनी किसी गली मे हो जाती है, और रास्ते एक तरफ से ही होगा तो उस अनहोनी से बचा नहीं जा पाएगा, फायरब्रिगेड, एम्बुलेंस, पानी टेंकर जैसे मूलभूत सुविधा भी रहवासियों तक आसानी से नहीं पहुच पाएगी। इसी बात को लेकर अनुविभागीय अधिकारी आदित्य जैन को ज्ञापन सौप कर वार्ड वासियों ने अपनी समस्या रखी, साथ मे अनुविभागीय अधिकारी द्वारा ये आश्वासन सभी रहवासियों को दिया कि एक सड़क सभी गालियों को जोड़ कर बना दिया जाएगी, जिससे विश्वकर्मा मंदिर रोड से सभी की कनेक्टिविटी हो जाएगी। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप सिंह राठौर, वार्ड 16 पार्षद नितिन जैन, प्रकाश चंद जैन, जानकी दास गुप्ता, आशीष जैन, महिपाल जैन, सतीश चंद जैन, गजेंद्र सिंह सहित अनेक वार्ड वासी उपस्थित रहे।

बाल श्रम उन्मूलन दिवस पर आयोजन

न्याय और बाल श्रम का खात्मा करने दिलाया संकल्प ,नियोक्ताओं को दी कानून की जानकारी

मंडीदीप शहर में सोमवार को बाल श्रम उन्मूलन दिवस के अवसर पर नगर में कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फॉउंडेशन के साथ कृषक सहयोग संस्था द्वारा लोगों को जागरूक किया गया। होटल ढावा और कपड़ों के शोरूम पर जाकर व्यापरियों को श्रम उन्मूलन दिवस और कानून की जानकारी दी। जहां बाल श्रम करते पाए गए उन्हें कानून की जानकारी देकर आज समझाईश दी और सचेत किया कि दूसरी बार से यदि आपके संस्थान में कोई बाल मजदूर पाया गया तो कानूनन कर्रवाई की जाएगी। संस्था के जिला चाईल्ड ट्रैफकिंग इंचार्ज अनिल भवरे ने आज नगर के होटल,ढावा और दुकान संचालकों को बाल श्रम कानून की जानकारी देकर बाल श्रम रोकने बच्चों को काम पर न रखने की समझाईश दी।उन्हें बताया कि बाल श्रम कानूनन के अंतर्गत बाल मजदूरी कराते पाए जाने पर 50 हजार रु तक जुर्माना और 2 साल कैद की सजा का प्रावधान है।

एक्शन मंथ अगेंस्ट चाईल्ड लेबर-

शहर में लगातार पिछले 1 जून से एक्शन मंथ अगेंस्ट चाईल्ड लेबर अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के प्रभारी अनिल भवरे ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत शुरुआत में व्यापरियों .उद्योगपतियों ईट भट्टा संचालकों को ट्रेस किया जा रहा है। पहली बार बाल श्रमिक पाए जाने पर उचित कारण और गलती मानने पर समझाईश देकर छोड़ा जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत महिला बाल विकास श्रम विभाग और पुलिस विभाग के संयुक्त प्रयास से जिले को बाल श्रम मुक्त रायसेन बनाने लक्ष्य है। पिछले एक सप्ताह से श्रम अधिकारी एस मेहन्देले,श्रम निरीक्षक मयंक दीक्षित,अपूर्व मिंज लगतार मॉनिटरिंग कर व्यापारियों, होटल ढावा संचालकों को समझाईश दे रहे है।

निकाली जाएगी रैली-

कैलास सत्यार्थी चिल्ड्रन फॉउंडेशन की जिले में कार्यरत कृषक सहयोग संस्था के जिला अभियान समन्वयक अनिल भवरे ने बताया कि 1 जून से 30 जून तक बाल मजदूर और बंधुआ मजदूरों को मुक्त कराने के लिए जिले में सतत कार्य किया जा रहा है। इस क्रम में अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम उन्मूलन दिवस के उपलक्ष में कल मंगलवार को एक जन जागरण रैली निकाली जाएगी। जिसमें बाल श्रम कानून के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा।

भाजपा कार्यकर्ता सेवा करने के लिए सेवक बने- राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार

राज्यसभा सांसद पाटीदार ने भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मेलन को सबोधित किया

धार। मोदी सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश संगठन केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का बूथ स्तर तक प्रचार प्रसार हो इस उद्देश्य को लेकर सम्पर्क अभियान चलाया जा रहा है इसी अभियान के तहत सरदारपुर विधानसभा मे भाजपा के वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ परिचर्चा कर सम्मलेन आयोजित किया गया जिसमे वरिष्ठ कार्यकर्ताओ द्वारा सभी के साथ टिफिन भोजन का भी आंनद लिया गया। सम्मलेन में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री कविता पाटीदार व भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी ने सरदारपुर विधानसभा के राजगढ़ उदय पैलेस गार्डन मे वरिष्ठ कार्यकर्ताओ के साथ परिचर्चा कर कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

राज्यसभा सांसद सुश्री कविता पाटीदार ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सेवा करने के लिए सेवक बने । हमने कांग्रेस की 18 महीने वाली सरकार भी देखी है जिसमें भाजपा सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं को बंद कर दिया गया था। भाजपा सरकार में अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति का भी योजना के माध्यम से लाभ प्राप्त हुआ है। मोदी जी को देश विदेश में जो सम्मान मिल रहा है वह देश के प्रत्येक कार्यकर्ता का सम्मान है। मोदी सरकार ने देश को आत्मनिर्भर बनाया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विगत दिनों प्रदेश में अत्यंत महत्वपूर्ण लाडली बहना योजना लागू की है जिसका सभी बहनों की ओर से धन्यवाद देती हूं।

वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मलेन में पूर्व विधायक वेलसिंह भूरिया, विधानसभा संयोजक राजेंद्र गर्ग, कार्यक्रम प्रभारी राजेश जोशी ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य संजय बघेल , जिला उपाध्यक्ष नवीन वानिय, जनभागीदारी अध्यक्ष धर्मेंद्र मंडलोई ,जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि पप्पू गामड़, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सुनील गामड़, मण्डल अध्यक्ष मदन , मण्डल अध्यक्ष जितेंद्र रघुवंशी, मण्डल अध्यक्ष गिरधारी चौधरी ,मदन चोयल,जिला मंत्री मुकेश केवलजी, जमाना भूरिया,पूर्व विधायक मुकाम सिंह निगवाल, भगवान भाई पाटीदार ,सुरेश तातेड़ ,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

किराएदार को लेकर दो पक्षों में मारपीट चली तलवार एक घायल

मंडीदीप शहर में बीती रात औद्योगिक थाना सतलापुर के अंतर्गत आने वाली क्षेत्र कटी घाटी में दो पक्षों में किराएदार को लेकर जमकर विवाद हुआ जिसमें तलवार निकालने की तक नौबत आ गई सतलापुर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी के अनुसार कटी घाटी निवासी फरियादी साजिद खान पिता मुबारक खान ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके साथ इरशाद खान पड़ोस में दुकान पर जा रहे थे तभी रास्ते मैं राशिद .जाहिद नवाब और सोहेल द्वारा किराएदार को परेशान करने को लेकर गाली गलौज करने लगे तभी आरोपी जफर द्वारा गाली गलौज कर तलवार से इरशाद के सिर पर वार कर दिया जिससे उसके सिर में चोट आई है।

विधायक दिनेश राय मुनमुन ने बालाघाट में प्रदेश सह प्रभारी पंकजा मुंडे का किया स्वागत

सिवनी- गत दिवस सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिनेश राय ने श्रीमती पंकजा मुंडे जी का स्वागत कर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सहभागिता किया। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व मे केन्द्र सरकार के 9 वर्षीय कार्यकाल पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा आयोजित महा जनसंपर्क अभियान के तहत आज दोपहर 01:00 बजे जिला बालाघाट प्रवास पर पहुंची मध्यप्रदेश भाजपा सह प्रभारी श्रीमती पंकजा मुंडे एवं बुलंदशहर उत्तर प्रदेश सांसद डा. भोला सिंह का विधायक दिनेश राय मुनमुन द्वारा आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान श्री राय ने जिला भाजपा कार्यालय में भाजपा सरकार की 09 साल की उपलब्धियों को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस मे श्रीमती पंकजा मुंडे, सांसद डा. भोला सिंह, गौरीशंकर बिसेन अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग, रामकिशोर कांवरे सांसद डा. ढालसिंह बिसेन के साथ सहभागिता किया।

महालक्ष्मी मंदिर में 90 मरीजों की हुई आंखों की जांच

चश्मे और दवाएं दीं निशुल्क , मोतियाबिंद के मरीजों को भेजा चित्रकूट

छतरपुर। सरानी गेट बाहर स्थित महालक्ष्मी मंदिर में सोमवार को आयोजित निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में 90 मरीजों की आंखों की जांच कर दवा और चश्मा दिया गया तथा मोतियाबिंद के मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण लिए तत्काल चित्रकूट ले जाया गया।

जिला अग्रवाल समाज के मीडिया प्रभारी रामकिशोर अग्रवाल ने बताया कि गायत्री अग्रवाल की स्मृति में उनके पति जयनारायण अग्रवाल जय भैया व कल्याण परिवार के सहयोग से नगर अग्रवाल समाज द्वारा नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में श्री सदुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के डाक्टरों डॉ अरविंद मिश्रा, मनेन्द्र कुमार, संजय यादव और विनीत यादव की टीम द्वारा 90 मरीजों की आँखों की जांच कर दवाई और चश्मा मुफ्त दिए गए। टीम द्वारा मोतियाबिंद के मरीजों को अपने वाहन से ऑपरेशन के लिए चित्रकूट ले जाया गया। मरीजों के जाने, वापस आने एवं भोजन व ठहरने की व्यवस्था निःशुल्क की गई है। महालक्ष्मी मंदिर में मरीजों को खिचड़ी प्रसाद तथा भोजन उपलब्ध कराया गया।

शिविर का शुभारंभ जय भैया, राधे असाटी, हरि प्रकाश अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल आदि द्वारा महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण व आरती से किया गया। शिविर में अग्रवाल समाज के जिलाध्यक्ष प्रभात अग्रवाल, नगर अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, नवयुवक मंडल अध्यक्ष शानू अग्रवाल, अग्रसेन सेवाश्रम के अध्यक्ष जय नारायण अग्रवाल, इंजी दिलीप अग्रवाल, गिरीश मोदी, संतोष खैरी, संजय टेंट वाले, संजय आभूषण वाले, रवि शिवानी, हर्षित टीटू, सौरभ सन्नी, रोहित, अभिषेक, गोलू अग्रवाल, संतोष नामदेव, लालू गुप्ता आदि ने मरीजों को सुविधाजनक रूप से जांच कराने में सहयोग प्रदान किया। गौरतलब है कि महालक्ष्मी मंदिर में हर महीने की 12 तारीख को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक निशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

स्वर्गीय रामबाबू जी श्रीवास्तव के पुण्य स्मरण से व्यक्तित्व सम्मान उत्सव का शुभारंभ हुआ

ओबैदुल्लागंज संवाददाता..÷सबके राम - सबमें राम÷ फाउंडेशन द्वारा नवाचार के कार्यक्रम ÷व्यक्तित्व सम्मान उत्सव÷ का शुभारंभ स्वर्गीय श्री रामबाबू श्रीवास्तव जी के निवास पर जाकर, उन्हीं के परिजनों के साथ बैठकर किया गया।

फाउंडेशन के अध्यक्ष कृष्णगोपाल पाठक जी ने बताया कि यह कार्यक्रम हमारे क्षेत्र के उन विराट व्यक्तित्व के सम्मान या पुण्य स्मरण का कार्यक्रम है जिन्होंने अपने कार्यों से संपूर्ण समाज को दिशा प्रदान की है। यह एक श्रृंखलाबद्ध कार्यक्रम है जिसमें एक-एक कर विराट व्यक्तित्वों का सम्मान या पुण्य स्मरण उन्ही के घर जाकर और उन्हीं के परिजनों के बीच किया जायेगा ।

इसी कड़ी में आज स्वर्गीय रामबाबू श्रीवास्तव जी का पुण्य स्मरण कर समाज को उनके व्यक्तित्व एवं उनके द्वारा किये गये कार्यों से परिचित कराया गया । स्वर्गीय श्री रामबाबू श्रीवास्तव जी औबेदुल्लागंज नगर परिषद के प्रथम निर्वाचित अध्यक्ष रहे । वे हिन्दू उत्सव समिति हिरानिया औबेदुल्लागंज के अध्यक्ष एवं औबेदुल्लागंज नगर के भव्य दुर्गा मंदिर के निर्माण के सूत्रधार भी रहे। उनकी पत्नी श्रीमती द्रोपदी श्रीवास्तव, पुत्र योगेश श्रीवास्तव एवं पुत्रियों के साथ व्यक्तित्व सम्मान उत्सव के सूत्रधार कृष्णगोपाल पाठक, सुरजीत सिंह गिल, भाजपा जिला महामंत्री रवीन्द्र विजयवर्गीय, ब्राह्मण संगठन औबेदुल्लागंज के अध्यक्ष राकेश तिवारी, व्यापारी महासंघ के सचिव नीरज चावला, राम नंदवंशी, साहब सिंह चौहान, राजेश दीक्षित, राजेश सोनी राम दुबे, लक्ष्मण राजपूत, अमित साहू, अर्पित साहू, महेन्द्र सिंह चौहान, भूरा चौहान, अजय मालवीय, अजय जैन, राकेश श्रीवास्तव आदि के साथ मातृ शक्ति भी उपस्थित रहीं। नगर एवं क्षेत्र के विराट व्यक्तित्वों का परिचय नई पीढ़ी से करा उनका पुण्य स्मरण एवं सम्मानित करने के इस कार्यक्रम की सभी वर्गों द्वारा सराहना की जा रही है। ज्ञातव्य हो कि ÷सबके राम - सबमें राम÷ कार्यक्रम को कृष्णगोपाल पाठक जी के साथ उनकी 14 वर्षीय बिटिया आहना कृष्ण पाठक, 8 वर्षीय सुदीक्षा एवं 7 वर्षीय श्लोका पाठक प्रदेश के अनेकानेक स्थानों पर हजारों की संख्या में उपस्थित श्रोताओं के मध्य प्रस्तुत कर रहे हैं!

सीमा सुरक्षा बल अकादमी द्वारा रानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल पर योगाभ्यास

ग्वालियर । योग के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने हेतु सीमा सुरक्षा बल अकादमी,टेकनपुर द्वारा आगामी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में रानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल,ग्वालियर पर 11 जून 2023 को प्रातः 7 बजे योग अभ्यास का आयोजन किया जा रहा है। योग अभ्यास के इस अवसर पर माननीय श्री विवेक नारायण जी शेजवलकर ,सांसद ग्वालियर मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गौरवमयी उपस्थिति प्रदान कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे ।साथ ही सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों के साथ ग्वालियर शहर के आम नागरिक भी योग अभ्यास के दौरान उपस्थित रहेंगे। सीमा सुरक्षा बल का ब्रास बैंड भी अपनी मधुर धुनों के साथ योग महोत्सव के इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएगा।

सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के संदर्भ में योग के प्रति जागरूकता पैदा करने और योग को दैनिक जीवन में आत्मसात करने हेतु झांसी के किले एवं पीतांबरा पीठ,दतिया में भी योग अभ्यास का आयोजन किया जा चुका है। योग के समुचित प्रचार प्रसार करने के लिए सीमा सुरक्षा बल अकादमी द्वारा टेकनपुर से चंदेरी तक साइकिल रैली का भी आयोजन किया जा चुका है।

योग महोत्सव की श्रृंखला में

सीमा सुरक्षा बल अकादमी में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर समापन समारोह के उपलक्ष्य में 21 जून 2023 को वीरांगना लक्ष्मीबाई परेड स्थल पर सामूहिक योग अभ्यास का आयोजन किया जाएगा । सीमा सुरक्षा बल अकादमी द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ साथ कार्मिकों के लिए समय समय पर योग संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहते हैं। सीमा सुरक्षा बल आम जनता में सामाजिक विषयों पर जागरूकता पैदा करने के लिए भी प्रयासरत है और आमजन के साथ मिलकर पूर्व में भी विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित करता रहा है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद इटारसी जिला नर्मदापुरम म.प्र.

पत्र क्रमांक 2/रा. शा.वि./न.पा.इ/2023 इटारसी दिनांक 01.06.2023

आम सूचना

आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद इटारसी से प्रियदर्शनीय नगर कालोनी में भवन एल.आई.जी. 143 श्रीमती ऊषा तिवारी पति ओमप्रकाश तिवारी के नाम नगर पालिका अभिलेखों में दर्ज है, श्री वीरेन्द्र तिवारी पिता ओम प्रकाश तिवारी अपने नाम नामांतरण कराना चाहते है उक्त भवन का नामांतरण होने में किसी को कोई आपत्ति है तो इश्तहार प्रकाशन सूचना से 07 सात दिवस के भीतर संपूर्ण रिकार्ड एवं प्रमाण के साथ अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय नगर पालिका परिषद इटारसी के समक्ष में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकते है। यदि सात दिवस के भीतर किसी की कोई आपत्ति दर्ज नहीं होती है तो तत्पश्चात किसी भी तरह की कोई आपत्ति मान्य नहीं की जाएगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद इटारसी

सोनी लिव प्रसारित कर रहा है श्री सिद्धार्थ बसु के साथ 'क्विज़र ऑफ़ द ईयर' स्टूडेंट्स के लिए एक बेहतरीन क्विज प्रतियोगिता

मुंबई, एजेंसी। भारत में क्विजिंग को सबसे बड़ा प्रोत्साहन मिलने जा रहा है, क्योंकि सोनी लिव ने एक राष्ट्रव्यापी क्विज़ चैलेंज, क्विज़र ऑफ़ द ईयर (क्यूओटीवाई) के प्रसारण की घोषणा की है। शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के ग्रेड नौवीं से बारहवीं कक्षा तक स्टूडेंट्स के लिए आयोजित क्यूओटीवाई का उद्देश्य सीखने और क्विज़ करने के लिए लगन और जिज्ञासा से भरे युवाओं को आकर्षित करना है। क्यूओटीवाई का नेतृत्व भारत के ग्रैंड क्विज़मास्टर, सिद्धार्थ बसु करेंगे, जिसे ट्री ऑफ़ नॉलेज डिजिटल (डिजिटॉक) की अनिता कौल बसु और उनकी टीम के साथ मिलकर डिजाईन और तैयार किया गया है। आज, शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ जो चीज स्टूडेंट्स को सबसे अलग खड़ा करती है, वह न केवल पाठ्यपुस्तकों से बल्कि हर जगह से ज्ञान हासिल करने और दुनिया को जिज्ञासा के साथ अनुभव करने की क्षमता है। क्यूओटीवाई स्टूडेंट्स को देश भर से उनके समकक्षों के मुकाबले अपनी क्षमताओं और ज्ञान को जाँचने का एक मंच प्रदान करता है। स्टूडेंट्स बड़ी आसानी से सोनी लिव पर एक साधारण रजिस्ट्रेशन करके और उसके बाद हर रोज सात सवालों का उत्तर देकर इसमें भाग ले सकते हैं। कॉन्टेस्ट की पूरी अवधि के दौरान प्रतिभागियों को दैनिक, साप्ताहिक और मासिक रूप से शानदार पुरस्कार जीतने का मौक़ा मिलेगा, जिनमें सोनी लिव पर उपस्थित होने का मौक़ा भी शामिल है।

अमेजन इंडिया ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर लॉन्च किया योगा स्टोर

मुंबई, एजेंसी। स्वस्थ और फिट भारत के भारत सरकार के विजन में योगदान करने के लिए, अमेजन इंडिया ने योगास्टोर को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह स्टोर भारतीय विक्रेताओं की ओर से पेश किए योगा प्रोडक्ट का एक बेहतरीन संग्रह पेश करता है। श्री सर्बानंद सोनोवाल, माननीय मंत्री, आयुष तथा बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग, भारत सरकार ने इस स्टोर को लॉन्च किया है। यह स्टोर न केवल ग्राहकों को एक सेहतमंद लाइफस्टाइल अपनाने में मदद करता है, वहीं यह हेल्थ और फिटनेस श्रेणी में उभरते भारतीय ब्रांडों और निर्माताओं की ग्रोथ में भी मदद करता है। सर्बानंद सोनोवाल, माननीय मंत्री, आयुष तथा बंदरगाह, नौवहन एवं जलमार्ग, भारत सरकार नेकहा,योग हमारी प्राचीन भारतीय परंपरा का हिस्सा है। यह हमारे संपूर्ण विकास में योगदान देता है। इसका उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। मैं लॉन्च का हिस्सा बनकर खुश हूं और माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के स्वस्थ और फिट इंडिया विजन के अनुरूप योगा स्टोरफ्रंट के सफल लॉन्च पर अमेजन इंडिया को हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। यह भारतीय ई-कॉमर्स और आंत्रप्रेन्योरशिप की दुनिया में बदलाव लाने और इसे नई दिशा देने में अमेजन इंडिया का एक और महत्वपूर्ण योगदान है।

ग्राहकों को उनका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैंः प्रज्ञा शर्मा

मुंबई, एजेंसी। अमेज़न प्राइम एक एक मूल्यवान मेंबरशिप है, जो प्रत्येक ग्राहक के जीवन में जॉय ऑफ़ मोर प्रदान करना सुनिश्चित करती है। अमेज़ॅन प्राइम सदस्यों को 40 लाख से अधिक उत्पादों पर एक दिन की मुफ्त डिलीवरी का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है, अपने पसंदीदा उत्पादों जैसे रोज़मर्रा के घरेलू सामानों के साथ-साथ फोन, कपड़े, घर की सजावट, सौंदर्य और बहुत कुछ पर प्राइम ऑफर रोज़ के साथ खरीदारी करता है। विज्ञापन लॉन्च के मौके पर बोलते हुए, प्रज्ञा शर्मा, डायरेक्टर-कंज्यूमर मार्केटिंग, अमेजन इंडिया, ने कहा, अमेजन में, हम अपने ग्राहकों पर बहुत अधिक ध्यान देते हैं और उनके लिए नए-नए नवाचार करते हैं। हमारा नया अभियान ममसच में टू मच इस बात को दोहराता है। ग्राहकों को ज्यादा की खुशी का अनुभव कराने के लिए हम एक मेंबरशिप में कई सारे प्रासंगिक लाभ प्रदान करते हैं। इस अभियान के जरिय हम प्राइम के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करना और ग्राहकों को इनका उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहते हैं।

निर्णय रोनल लिया करती है, और यह बहुत अच्छा हैः केट विंस्लेट

मुंबई, एजेंसी। एकेडमी अवार्ड विजेता जेम्स कैमरॉन द्वारा अपनी अद्भुत फिल्म, अवतार में दर्शकों को एक ऐसी दुनिया, जो इससे पहले उन्होंने कभी नहीं देखी थी, में ले जाने के 13 साल बाद, डिज़्नी+ हॉटस्टार इसकी बहुप्रतीक्षित सीक्वल अवतारः द वे ऑफ वॉटर 7 जून को रिलीज़ कर रहा है। इंग्लिश, हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में उपलब्ध यह अद्भुत सिनेमेटिक साहसिक सफर एक नया अंडरवॉटर एडवेंचर पेश कर रहा है, जो एक बार फिर दर्शकों का मन मोह लेगा। अपने पुराने किरदारों में वापसी करते हुए सैम वॉर्थिंगटन और ज़ो सल्डाना जेक सुली और नेयतिरी के रूप में एक कर्तव्यनिष्ठ माता-पिता की भूमिका में दिखाई देंगे, जो अपने परिवार की रक्षा करने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं। उनके साथ प्रतिष्ठित कलाकार, सिगूर्नी वीवर, स्टीफन लंग, क्लिफ कुर्टिस और एकेडमी अवार्ड विजेता केट विंसलेट भी दिखाई देंगी। इसकी पटकथा में जेम्स कैमरॉन, रिक जाफा, अमांडा सिल्वर, जोश फ्रीडमैन, और शेन सलेर्नो ने सहयोगपूर्वक कहानी का बेहतरीन चित्रण किया है, जबकि कैमरॉन और जॉन लैंडो इस फिल्म के निर्माता हैं। 1997 में टाईटैनिक के बाद एक बार फिरजेम्स कैमरॉन के साथ काम कर रही एकेडमी अवार्ड विजेता केट विंसलेट रोनल का किरदार निभा रही हैं, जो एक साहिक, या मेटकयीना कबीले की शमानिक महामाता है। उसका विवाह कबीले के ओलो'ईकतन, तोनोवारी (क्लिफ कुर्टिस) के साथ हुआ है।

अमेजन ब्यूटी ने लॉन्च किया ग्लोबल ब्यूटी स्टोर, अब घर बैठे खरीद सकते हैं इंटरनेशनल ब्यूटी ब्रांड्स

मुंबई, एजेंसी। अमेजन ब्यूटी ने अपने बहुप्रतीक्षित ग्लोबल ब्यूटी स्टोर के लॉन्च की घोषणा की है। इस नए स्टोर पर 60 से अधिक इंटरनेशनल ब्यूटी ब्रांड्स और 5,000 से अधिक प्रोडक्ट का बेहद खास कलेक्शन पेश किया गया है। स्टोर में इंटरनेशनल ब्यूटी ब्रांड्स का एक विशाल संग्रह है, जिसमें दुनिया भर के बेस्ट प्रोडक्ट्स को एक जगह पर उपलब्ध कराया गया है। सभी की जरूरतों को पूरा करने के लिए जाने-माने फ्रेंच स्किनकेयर ब्रांड से लेकर उभरते अंतरराष्ट्रीय कॉस्मेटिक ब्रांड जैसे पाउला चॉइस, फार्मेसी, एनोमली, कॉडली, एलऑक्टिन, कॉसआरएक्स, लेनिज, इनिसफ्री, मेकअप रेवोल्यूशन, चोपर्ड, पॉल मिशेल इस स्टोर में उपलब्ध हैं। ग्राहक दुनिया के हर कोने से लाए गए ऑथेंटिक प्रोडक्ट्स की एक विस्तृत रेंज में से अपने पसंदीदा प्रोडक्ट की खरीदारी कर सकते हैं। इन प्रोडक्ट को उनकी बेहतरीन क्वालिटी और एडवांस फॉर्मूलेशन के लिए खासतौर पर चुना गया है। ग्लोबल ब्यूटी स्टोर ब्यूटी से जुड़ी विभिन्न जरुरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए बेमिसाल प्रोडक्ट रेंज पेश करता है।

000

आरबीआई ने पहली बार जारी की विलफुल डिफॉल्टर से समझौते की गाइडलाइन

लोन चुकाने में चूक के मामलों में बैंकों को क्या दिए निर्देश

मुबंई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कर्जदारों को विलफुल डिफॉल्टर (जानबूझकर लोन न चुकाने वाले) या धोखेबाज (फ्रॉड) घोषित करने की प्रक्रिया में बैंकों को बेहद सजग और सतर्क बनाने के लिए ऐसे मामलों के समाधान की जिम्मेदारी बैंकों के संचालक मंडल (बीओडी) को दी है। इस बारे में अपनी नई गाइडलाइन के तहत, आरबीआई ने ऐसे मामलों में समझौते के निबटारे की जिम्मेदारी बैंकों परिचालन कार्यालय से लेकर पर्यवेक्षण कार्यालय को सौंपी है।

समझौते के लिए हर बैंक को पॉलिसी बनाने के निर्देश

आरबीई ने पिछले हफ्ते जारी किए गए मौद्रिक नीति वक्तव्य के साथ समझौता निबटारे और तकनीकी राइट ऑफ के नए मापदंड जारी करते हुए बैंकों के बोर्ड को इन मामलों के समाधान की गति बढ़ाने और ज्यादा जिम्मेदारी लेने के लिए निर्देशित किया है। नए दिशा-निर्देशों में आरबीआई ने कर्ज देने वाले सभी बैंकों को कहा है कि उनके पास समझौता निबटारे और तकनीकी राइट ऑफ के लिए निदेशक मंडल से अनुमोदित नीतियां होनी चाहिए जो इसके लिए जरूरी प्रक्रिया को रेखांकित करती हो।

पॉलिसी में ये शर्तें शामिल करें बैंक

आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि बैंकों के बोर्ड से मंजूर नीति में कर्ज की न्यूनतम अवधि बढ़ाने कोलेटरल वैल्यू में कमी जैसी विशिष्ट शर्तें भी शामिल होनी चाहिए। इसके अलावा नीति में ऐसे मामलों के लिए कर्मचारियों की जवाबदेही का आकलन करने का फ्रेमवर्क भी जरूर होना चाहिए जिसमें बोर्ड द्वारा परिभाषित समय सीमा निर्धारित की गई हो। ऐसी नीतियों में ये भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि समझौते के मामलों के निबटारे की मंजूरी देने के लिए जिम्मेदार व्यक्तिय या समितियां, क्रेडिट या जोखिम निवेश को मंजूरी देने वालों की तुलना में ज्यादा अधिकार रखती हों।

बैंक के बोर्ड की मंजूरी जरूरी होगी

नई गाइडलाइन के मुताबिक विनियमित संस्थाएं जानबूझकर चूककर्ताओं या धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत खातों के संबंध में ऐसे देनदारों के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई के संबंध में समझौता निबटारे या तकनीकी बट्टे खाते में डाल सकती हैं। धोखाधड़ी या इरादतन चूककर्ता के रूप में वर्गीकृत देनदारों के संबंध में समझौता निबटारे के प्रस्ताव के सभी मामलों में बैंक को बोर्ड की मंजूरी जरूरी होगी।

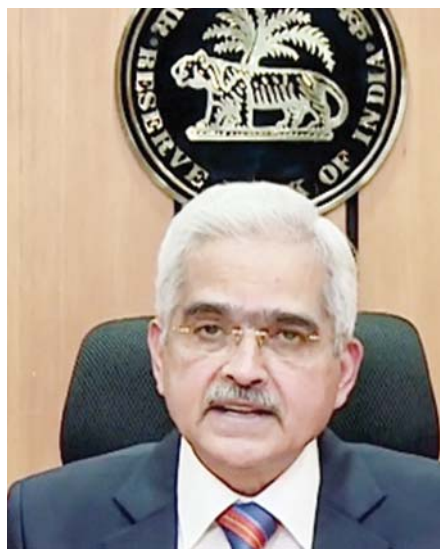

पहले ये थी आरबीआई की पॉलिसी

उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने पहली बार विलफुल डिफॉल्टर्स के साथ समझौता करने के लिए समझौता मानदंड जारी किए हैं। पहले ऐसे मामलों में भारतीय रिजर्व बैंक के मानदंडों में ये सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था कि समझौता राशि कर्ज की सुरक्षा के शुद्ध वर्तमान मूल्य से कम न हो। इसके अलावा बैंकों को इरादतन चूककर्ताओं के ऋष्ण पुनर्गठन से भी रोक दिया गया था। ये नियम जारी है और बैंक विलफुल डिफॉल्टर्स को नया लोन (फ्रेश क्रेडिट) नहीं दे सकते।

आरबीआई गवर्नर ने किया बैंकों की अनियमितताओं का उल्लेख

दरअसल, एक समझौता निबटारे का मामला बैंक और उधारकर्ता के बीच एक बातचीत की व्यवस्था को संदर्भित करता है, जिसमें बैंक कम राशि को स्वीकार करके आंशिक रूप से उधारकर्ता के कर्ज को निबटाने के लिए सहमत होता है। दूसरी ओर तकनीकी राइट-ऑफ के मामले में बैंक के कर्ज की वसूली के अधिकार को छोड़े बिना लेखांकन उद्देश्यों के लिए बैंक की किताब से गैर-निष्पादित संपत्तियों को हटाना शामिल होता है। गौरतलब है कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस महीने की शुरुआत में बैंक निदेशकों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए संबंधित अनियमितताओं पर प्रकाश डाला था कि बैंक कैसे खराब ऋष्णों से कैसे निपट रहे हैं।

इंदौर से चलने वाली 9 जोड़ी ट्रेनों में अक्टूबर से थर्ड एसी इकोनॉमी कोच!

नई दिल्ली। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के इंदौर स्टेशन से आरंभ होने वाली 9 जोड़ी ट्रेनों में यात्रियों की सुविधा को ध्?यान में रखते हुए स्थाई रूप से थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी कोच की सुविधा उपलब?ध करवाई जा रही है। यह सुविधा इसी साल अक्टूबर माह से शुरू होगी। थर्ड एसी इकोनॉमी क्लास के डिब्बे सामान्य थर्ड एसी से काफी अलग होते हैं। सामान्य थर्ड एसी में 72 सीटें होती है, वहीं थर्ड एसी इकोनॉमी क्लास में 83 सीटें होती है। एसी इकोनॉमी क्लास का किराया सामान्य थर्ड एसी क्लास के किराए से 8त्न कम होता है।

इन गाड़ियों का विवरण इस प्रकार ः

(1) गाड़ी संख्या 20957 इंदौर-नई दिल्ली एक्सप्रेस में 15 अक्टूबर से तथा गाड़ी संख्या 20958 नई दिल्ली-इंदौर एक्सप्रेस में 16 अक्टूबर से थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी के दो कोच लगेंगे।

(2) गाड़ी संख्या 12913 इंदौर-नागपुर एक्सप्रेस में 15 अक्टूबर से तथा गाड़ी संख्या 12914 नागपुर-इंदौर एक्सप्रेस में 16 अक्टूबर से थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी के दो कोच लगेंगे।

(3) गाड़ी संख्या 20936 इंदौर-गांधीधाम एक्सप्रेस में 15 अक्टूबर से तथा गाड़ी संख्या 20935 गांधीधाम-इंदौर एक्सप्रेस में 16 अक्टूबर से थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी के दो कोच लगेंगे।

(4) गाड़ी संख्या 19313 इंदौर-पटना एक?सप्रेस में 16 अक्टूबर से तथा गाड़ी संख्या 19314 पटना-इंदौर एक?सप्रेस में 18 अक्टूबर से थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी के दो कोच लगेंगे।

(5) गाड़ी 22941 इंदौर-उधमपुर एक्सप्रेस में 16 अक्टूबर से तथा गाड़ी संख्या 22942 उधमपुर-इंदौर एक्सप्रेस में 18 अक्टूबर से थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी के दो कोच लगेंगे।

(6) गाड़ी संख्या 22911 इंदौर-हावड़ा एक्सप्रेस में 17 अक्टूबर से तथा गाड़ी संख्या 22912 हावड़ा-इंदौर एक्सप्रेस में 19 अक्टूबर से थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी के दो कोच लगेंगे।

(7) गाड़ी संख्या 19325 इंदौर-अमृतसर एक्सप्रेस में 17 अक्टूबर से तथा गाड़ी संख्या 19326 अमृतसर-इंदौर एक्सप्रेस में 19 अक्टूबर से थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी के दो कोच लगेंगे।

(8) गाड़ी संख्या 19307 इंदौर-चंडीगढ़ एक्सप्रेस में 19 अक्टूबर से तथा गाड़ी संख्या 19308 चंडीगढ़-इंदौर एक्सप्रेस में 20 अक्टूबर से थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी के दो कोच लगेंगे।

(9) गाड़ी संख्या 19321 इंदौर-पटना एक्सप्रेस में 21 अक्टूबर से तथा गाड़ी संख्या 19322 पटना-इंदौर एक?सप्रेस में 23 अक्टूबर से थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी के दो कोच लगेंगे।

कैप्टन पाइप्स लिमिटेड 12 जून 2023 से शुरु होने वाले बीएसई मेनबोर्ड प्लेटफॉर्म पर ट्रेड करेगा

राजकोट, एजेंसी। पीवीसी पाइप्स उद्योग की अग्रणी कंपनियों में से एक, कैप्टन पाइप्स लिमिटेड (538817) ने घोषणा की है कि 12 जून, 2023 से प्रभावी, कैप्टन पाइप्स लिमिटेड के इक्विटी शेयर, जो पहले से ही बीएसई एसएमई प्लेटफ़ॉर्म के तहत सूचीबद्ध हैं, को अब बी समूह की सूची में मेनबोर्ड प्लेटफ़ॉर्म पर डीलिंग के लिए माइग्रेट और भर्ती किया जाएगा। कंपनी अपनी विकास दर बढ़ाने हेतु अपने आधुनिक संयंत्र का लाभ उठाने के लिए तैयार है। बाज़ार की बढ़ती मांग के साथ काम करते हुए, यह जर्मन और जापानी तकनीक की एक्सट्रूज़न और इंजेक्शन मोल्डिंग मशीनों के साथ हाई-टेक मशीनरी और उपकरणों से पूरी तरह सुसज्जित है, जो गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए आवश्यक हैं। कंपनी समग्र बिक्री में उच्च मार्जिन वाले उत्पादों के मिश्रण को बढ़ाने और ब्रांड की ताकत में सुधार के लिए विपणन में खर्च बढ़ाने पर विचार कर रही है। वित्तीय वर्ष 23 बनाम वित्तीय वर्ष 22 के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय हाइलाइट्स संचालन से राजस्व में 3.36 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह वित्तीय वर्ष 23 में 85.50 करोड़ रुपये हुआ।

रश्मिका मंदाना एप्सन इंडिया की ब्रांड एम्बेसडर बनीं

मुंबई, एजेंसी। डिजिटल और प्रिंटिंग सॉल्यूशंस में वर्ल्ड लीडर, एप्सन ने आज लोकप्रिय भारतीय अभिनेत्री, रश्मिका मंदाना को भारत में अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाने की घोषणा की। यह मशहूर अभिनेत्री भारत में एप्सन के उत्पादों को प्रमोट करेंगी और जून में एप्सन ईकोटैंक प्रिंटर के लिए लॉन्च किए जा रहे मल्टीमीडिया कैम्पेन में दिखाई देंगी। यह कैम्पेन एप्सन के सफल ईकोटैंक प्रिंटर्स के किफायती और पर्यावरण के लिए मित्रवत फायदों पर केंद्रित होगा।कन्नड़, तेलुगू, हिंदी, और तमिल सिनेमा में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए मशहूर इस अदाकारा के साथ सहयोग करके एप्सन रश्मि की लोकप्रियता द्वारा देश में बड़ी संख्या में ग्राहकों, खासकर युवाओं के बीच पहुँच रहा है।एप्सन इंडिया के साथ अपने गठबंधन के बारे में रश्मिका ने कहा, ''मुझे एप्सन इंडिया के साथ गठबंधन करने और उनके द्वारा पेश किए जा रहे सस्टेनेबल और किफायती प्रिंटिंग समाधानों को प्रमोट करने की खुशी है।

अपने खाना पकाने के अनुभव को बनाएँ और बेहतरः जगाएँ फॉर्च्यून प्लस सोयाबीन ऑयल का अनूठा जादू

नई दिल्ली, एजेंसी। फॉर्च्यून प्लस सोयाबीन ऑयल के साथ अपनी कुकिंग को अपग्रेड करें और स्वस्थ जीवन जिएं। खाना पकाने का यह नया तेल न केवल आपके भोजन का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि कुल मिलाकर आपकी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह ऐसे महत्वपूर्ण विटामिन से भरपूर है जो आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छे हैं। विशेष न्यूट्री लॉक टेक्नोलॉजी यह सुनिश्चित करती है कि उच्च तापमान पर उपयोग किए जाने पर भी तेल अपनी सभी खूबियों और मिनरल्स को बरकरार रखता है। चाहे आप फ्राई कर रहे हों, तल रहे हों, या स्टिर फ्राई कर रहे हों, हाई स्मोक पॉइंट वाला यह वर्सेटाइल ऑयल आपकी खाना पकाने की सभी जरूरतों के लिए एकदम सही है। फॉर्च्यून सोया न्यूट्री लॉक ऑयल विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट से समृद्ध है जो आपके स्वास्थ्य में सुधार करता है, आपके हृदय को हेल्दी बनाए रखता है और आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देता है। इसमें विटामिन ए और डी भी हैं, जो स्वस्थ आंखों और हड्डियों के लिए बहुत ज़रूरी हैं। इसके अलावा, यह हल्का और गंधहीन होता है। इस तरह अपने इन तमाम खूबियों के साथ फॉर्च्यून सोया न्यूट्री लॉक ऑयल स्वस्थ हृदय के लिए एक उत्कृष्ट विकल्प है।

बेयर और कारगिल ने की रणनीतिक साझेदारी

मुंबई, एजेंसी। कृषि एवं स्वास्थ्य सेवा से जुड़े लाइफसाइंस के क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक कंपनी बेयर ने वैश्विक खाद्य व्यवस्था के बीच कड़ियां स्थापित करने वाली अंतरराष्ट्रीय खाद्य कंपनी कारगिल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है इस रणनीतिक साझेदारी का लक्ष्य किसानों को नवीनतम तकनीक प्रदान करते हुए कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाना और किसानों को उनकी उपज का वास्तविक मूल्य प्रदान करना है साथ ही इस रणनीतिक साझेदारी के जरिए छोटे किसानों की बाजार पहुंच को और बेहतर बनाने की कोशिश की जाएगी। इसके लिए स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार एआई संचालित और मोबाइल पर चलने वाले कारगिल के डिजिटल साथी जैसे प्लेटफॉर्म और 5 लाख से ज्यादा किसानों की सहायता कर रहे है।

आईआईटी मद्रास ने जेईई के लिए 24 को 'डेमो डे' का आयोजन किया

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने जेईई 2023 के उम्मीदवारों के लिए 'डेमो डे' का आयोजन किया है, जो उनके लिए कैंपस में एक दिन का विशेष अनुभव लेने का सुनहरा अवसर है । आयोजन में उम्मीदवार ऑनलाइन (17 या 18 जून 2023) और ऑफलाइन (24 जून 2023) भी भाग ले सकते हैं । इच्छुक उम्मीदवार संबंधित वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन करने की अंतिम तिथि 16 जून 2023 है ।इस अवसर पर इच्छुक उम्मीदवार और अभिभावक कैम्पस देखने के साथ-साथ आईआईटी मद्रास के वर्तमान छात्रों, शिक्षकों और हाल के पूर्व छात्रों से अपने सवाल पूछ सकते हैं । इसके अलावा, इच्छुक छात्र कुछ डेमो लेक्चर भी प्रत्यक्ष सुन सकते हैं और उन्हें स्टुडेंट क्लबों का भी प्रत्यक्ष अनुभव लेने का मौका मिलेगा। जेईई उम्मीदवारों का कैम्पस में स्वागत करते हुए आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी कामकोटि ने कहा,मैं 2000 से 2009 तक यहां फैकल्टी मेंबर था और 'काउंसलिंग' दिया करता था।

बिपरजॉय तूफ़ान गंभीर हुआ, 8000 लोगों को सुरक्षित निकाला गया

बिपरजॉय तूफान के 15 जून को गुजरात के तट पर पहुंचने की आशंका के बीच राज्य सरकार में एक विस्तृत कार्य योजना बनाई है। प्रशासन ने 8000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। लोगों को निकालने का अभियान आज भी चलेगा। बिपरजॉय बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल गया है। इसके गुरुवार दोपहर तक कच्छ और पाकिस्तान के कराची के बीच पहुंचने की संभावना है।

अधिकारियों के अनुसार लगभग 8000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कच्छ-सौराष्ट्र जिलों में तट से 10 किलोमीटर की दूरी तक बसे गांवों के निवासियों को वहां से हटाने का अभियान आज मंगलवार को शुरू हो रहा है। पोरबंदर के 31 गांवों से करीब 3,000 लोगों को और देवभूमि द्वारका में करीब 1,500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

गुजरात के राहत आयुक्त आलोक पांडे ने बताया कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि इस चक्रवात से कोई जनहानि न हो। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (ह्यष्ठक्रस्न) और राज्य आपदा मोचन बल (स्ष्ठक्रस्न) की दर्जनों टीमों को चक्रवात से प्रभावित होने वाले जिलों में तैनात किया गया है और लोगों के आवास, भोजन और दवाओं की व्यवस्था की गई है।

मौसम विभाग ने एक ट्वीट में कहा कि सौराष्ट्र और कच्छ तट के लिए चक्रवात अलर्ट ज् सुबह आज 08.30 बजे चक्रवात पोरबंदर से करीब 320 किमी दक्षिण-पश्चिम, देवभूमि द्वारका से 360 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम, जखाऊ बंदरगाह से 440 किमी दक्षिण, नलिया से 450 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में स्थित था। इसके 15 जून की दोपहर तक जखाऊ बंदरगाह को पार कर जाने का अनुमान है।' पाकिस्तान सरकार ने भी सिंध और बलूचिस्तान में अधिकारियों को सतर्क रहने की सलाह दी है। देश के मौसम कार्यालय ने आज रात से सिंध और मकरान के तटों पर बादलों की गर्जना के साथ बारिश होने की संभावना जताई है।

रेलवे ने अपना आपदा प्रबंधन तंत्र सक्रिय किया

चक्रवात बिपारजॉय के प्रभाव को कम करने के लिए रेलवे ने अपने आपदा प्रबंधन तंत्र को सक्रिय कर दिया गया। रेल मंत्रालय ने कई स्थानों पर हवा की गति की नियमित निगरानी और हवा का वेग 50 किमी प्रति घंटे से अधिक होने पर ट्रेनों को विनियमित या बंद करने के निर्देश, वास्तविक समय की निगरानी और समन्वय के लिए ऑनलाइन समूहों का गठन किया और मौसम विभाग की वेबसाइट की लगातार निगरानी समेत कई कदम उठाए हैं। अधिकारियों ने बताया कि कच्छ जिले के तटीय इलाकों में धारा 144 लागू कर दी गई। सभी स्कूल एवं कॉलेज 15 जून तक बंद कर दिए गए हैं।

केंद्र और गुजरात सरकार की तैयारियों की समीक्षा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि बचाव दल चक्रवात 'बिपारजॉय' के मार्ग में संवेदनशील स्थानों में रहने वाले लोगों की सुरक्षित निकासी सुनिश्चित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने चक्रवात से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए केंद्र और गुजरात सरकार की तैयारियों की समीक्षा के लिए नई दिल्ली में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस चक्रवात का पाकिस्तान पर भी असर पड़ने की आशंका है।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव उपाय करने का निर्देश दिया कि संवेदनशील स्थानों में रहने वाले लोगों को राज्य सरकार द्वारा सुरक्षित रूप से निकाला जाए। बयान के अनुसार मोदी ने बिजली, दूरसंचार, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी सभी आवश्यक सेवाओं के रखरखाव को सुनिश्चित करने और किसी भी तरह की क्षति होने की स्थिति में उन्हें तुरंत बहाल करने का भी निर्देश दिया।

150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा का अंदेशा

भारत मौसम विज्ञान विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने सोमवार को कहा कि चक्रवात के दौरान गुजरात में 150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अंदेशा है। सेना, नौसेना और भारतीय तट रक्षक को द्वारका के पास तट से दूर तेल खनन जहाज 'की सिंगापुर' से 50 कर्मियों को निकालने के लिए तटरक्षक बल (ढ्ढष्टत्र) के साथ तैयार अवस्था में रखा गया है।

बेहद गंभीर चक्रवाती तूफान बिपारजॉय के बृहस्पतिवार को गुजरात के कच्छ जिले में जखाऊ पत्तन के पास तट पर पहुंचने का अनुमान है। अधिकारियों ने बताया कि कच्छ, पोरबंदर, देवभूमि द्वारका, जामनगर, जूनागढ़ और मोरबी के तटीय जिलों में समुद्र तट के पास रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। साथ ही मछुआरों को मछली पकड़ने के लिए समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है और बंदरगाहों पर चेतावनी के संकेत लगा दिए गए।

सर्वर डाऊन होने से दुखी हुई लाड़ली बहना

दिन भर नहीं निकाल पाई रूपए

छिंदवाड़ा। सरकार ने खुशी दी बैंकों ने रुलाया छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने लाडली बहनों को एक रू1000 उनके खाते में डाल कर उनके चेहरे पर मुस्कान ला दी खुशी से झूम की महिलाओं ने शिवराज सरकार को अनेक बस दुआएं दी लेकिन सोमवार को जैसे ही वे बैंकों और कि उसको सेंटरों पर अपने खाते में आई रू1000 की राशि निकालने गई तो निराश होकर लौटी हुआ क्योंकि एनपीसीआई सर्वर पूरी तरह से ठप हो गया जिसके कारण भारतीय स्टेट बैंक सहित अन्य बैंकों के खातों से राशि नहीं निकल पाई पूरा दिन बैंक सहित किओस्क सेंटरों पर महिलाओं की भीड़ भाड़ देखी गई एंड टाइम पर इस प्रकार श्रवण बाधित होना महिलाओं के खुशी को निराशा में बदल दिया सुबह 10 बजे से ही बैंकों के सामने भीड़ लगना शुरू हो गई थी दोपहर 2 बजे तक भी जब सरवन नहीं आया तो निराश होकर के महिलाएं लौटी और बैंक सहित सरकार को बस दुआएं देने लगी उन्होंने कुछ महिलाओं ने तो इसे शिवराज सिंह की चाल भी बताया महिलाओं का कहना है कि शिवराज ने अपना नाम करने के लिए पहले तो खातों में एक रू.1000 डाल दिए और जब निकालने की बारी आई तो उस पर रोक लगा दी अब महिलाओं को कौन समझाए कि यह तकनीकी कारणों से ऐसा हुआ है बैंक के अधिकारी कर्मचारी भी महिलाओं की जली कटी दिन भर सुनते रहे।

आदिवासी युवक पर जानलेवा हमले करने वाले आरोपियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग की

सौंसर। वार्ड नं. 12 सिविल लाईन में रविवार को एक आदिवासी परिवार के बेटे विक्की धुर्वे को जान से मारने की नियत से धारदार हथियार से सूरज नामक लड़के एवं उनके परिवार के द्वारा जानलेवा हमला किया गया, जिससे युवक की नाक पर गंभीर चोटें आयी है जिसे उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना के विरोध में विभिन्न सामाजिक संगठन गोंडवाना महासभा के जिला संरक्षक प्रहलाद कुसरे अध्यक्ष रामदास उइके, जय भीम सेना के अध्यक्ष शिवम् पहाड़े,परसराम उइके, राकेश टेकाम आदि सामाजिक संगठन के लोग पीड़ित से मिलने जिला अस्पताल पहुंचे । उन्होनें बताया कि पीड़ित परिवार अपने साथ हुई इस दर्दनाक घटना से भयभीत है, उन्हे संगठन के पदाधिकारियों ने आश्वासन दिलाया है, और सौंसर थाना प्रभारी को घटना से अवगत कराकर इसकी निष्पक्ष जांच कर आरोपी पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की मांग की है, अन्यथा चेतावनी दी कि पीड़ित को न्याय नहीं मिलने पर गोड़वाना महासभा, जय भीम सेना पीड़ित परिवार के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करेंगे जिसकी समस्त जबावदारी जिला प्रशासन की होगी ।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण

छिंदवाड़ा। मेहरा डेहरिया समाज समिति जिला छिंदवाड़ा के द्वारा मोहखेड ब्लाक के ग्राम हीरावाड़ी में संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम आयोजित हुआ।
जिसमे पूरे प्रदेश से समाज के लोगों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम को ऐतिहासिकता बनाया द्य जिलाध्यक्ष दयानंद डेहरिया द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष ब्रजेश बट , जागेश्वर सुरजे, सुनीता बमहनिया, अशोक डेहरिया, मुख्य अभियंता, संजय डेहरिया अधीक्षण यंत्री, डी सी डेहरिया ,भूशंकर डेरियद्य आदराम डेरिया, रामकुमार डेहरिया शिवनारायण डेरिया, मंजूलता डेरिया, राजाराम डेहरिया, चंद्रभूषण डेहरिया, शघनश्याम डेहरिया, अजय डेहरिया, देवचन्द डेहरिया, श्याम चरण डेरिया, जय विंद डेहरिया, ब्रह्मानंद डेहरिया श्रीमति रानू डेरिया, रैना हार्ले,ज्योति डेरिया रिंकी डेहरिया, बबली डेरिया ग्राम हीरा वाड़ी एवं आसपास के गांव के लोगों ने भारी संख्या में उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को संपन्न किया। कार्यक्रम में पांढुर्णा विधायक नीलेश उइके, महाराष्ट्र से मनोज डहानकर शेषराव बंजारी जनार्दन लोखंडे , एवं आसपास की पंचायत सरपंच एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रह।

शासन की कायाकल्प योजना से बनने वाली रोड का हुआ भूमि पूजन

अमरवाड़ा। सोमवार को नगरपालिका अमरवाड़ा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 15 किशनटोला में वर्षों से मांग रही सड़क का भूमिपूजन किया गया। मध्यप्रदेश शासन की कायाकल्प योजना से ?16 लाख मे बनने वाली रोड का भूमि पूजन किया गया। अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधान सभा प्रभारी उत्तम सिंह ठाकुर और लोक निर्माण की सभापति दीपा मुकेश सूर्यवंशी,वार्ड नंबर 15 की पार्षद कल्पना संतु साहू की उपस्थिति में भूमि पूजन किया गया। किशन टोला की जनता में इसको लेकर उत्साह और हर्ष का माहोल देखा गया। भूमि पूजन कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता संतु साहू, मुकेश सूर्यवंशी,पत्रकार ओम प्रकाश मिश्रा, अमर गिरी, ठेकेदार गोलू खान और नगर पालिका उपयंत्री श्रुति शुक्ला, अंकित नेमा, उमाशंकर ठाकुर,प्रज्वल उपाध्याय, दीपक विश्वकर्मा और किशन टोला के नागरिक और बच्चे उपस्थित रहे।

अंतर्राजीय गिरोह का खुलासा 8 आरोपी गिरफ्तार

मारपीट कर लूटपाट की घटना को दिया था अंजाम

छिंदवाड़ा। कुंडीपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस ने अंतर्राज्जीय गिरोह का खुलासा किया है। और आठ आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। एएसपी संजीव उईके ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए जानकारी दी। श्री उईके ने बताया कि पातालेश्वर वार्ड क्रमांक 19 निवासी शेख सलीम पिता शेख सिकन्दर मंसूरी जो ऑ डॅयूटी ट्रेक मेंटिनेंस के लिए रैक पाइंट रेलवे क्रासिंग के आगे सुनसान इलाके में उनकी मोटरसायकल जा रहे थे जो रास्ते में अज्ञात चार लड़कों ने उनके पास रखा बैग जिसमें मोबाईल और अन्य दस्तावेज थे छीनकर फरार हो गए एसपी विनायक वर्मा ने अज्ञात आरोपियों की तलाश के लिए निर्देश दिए और पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए मुखबिर तंत्र के सहयोग से निरंतर तलाश की गई कड़ी मेहनत के परिणाम स्वरूप अंतर्राज्जीय गिरोह के चार सदस्य हरियाणा, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और बिहार राज्य के हैं से पूछताछ की गई जिनके पास से लूटी हुई मोटरसायकल और मोबाईल, पर्स और अन्य सामान जब्त किया गया चार आरोपियों के साथ अन्य चार आरोपियों जो योजनाबद्व तरीके से लूटपाठ करने की योजना बनाने तैयार किया था। आठों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के पास से लूटी गई मोटरसायकिल और अन्य कीमती 50 हजार का सामान बरामद कर लिया गया एवं आरोपियों द्वारा घटना में प्रयुक्त 12 मोबाईल फोन 2 लाख कीमत के जब्त किये गए । उक्त कार्रवाई में कुंडीपुरा थाना प्रभारी सहित स्टाफ का सहयोग रहा ।

भीषण गर्मी के चलते प्रदेश के स्कूलों में अवकाश 19 जून तक

छिंदवाड़ा। भीषण गर्मी के चलते उप सचिव मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग ने छात्रों का ग्रीष्मकालीन अवकाश को बढ़ाते हुए 19 जून तक कर दिया है इस आशय के आदेश जारी कर दिए गए हैं यह आदेश प्रदेश के सभी स्कूलों में लागू होंगे। आगामी सत्र की कक्षाएं 20 जून से लगना प्रारंभ होंगी।गौरतलब है कि पूर्व में ग्रीष्मकालीन अवकाश 15 जून तक था।

मधु व्ही राज होगे के वन संरक्षक

छिंदवाड़ा। मधु व्ही राज छिंदवाड़ा के वन संरक्षक होंगे वे सिंगरौली से छिंदवाड़ा आ रहे हैं।

शासकीय आई.टी.आई. में अप्रेंटिसशिप मेला मे 84 प्रतिभागियों का चयन

छिन्दवाड़ा। प्राचार्य सतीश मोरे एवं समन्वय अधिकारी सी.बी.उईके के मार्गदर्शन में शासकीय आई.टी.आई.छिन्दवाड़ा में एक दिवसीय अपरेंटिसशिप मेला संपन्न हुआ । इस अपरेंटिसशिप मेले में 84 प्रतिभागियों का चयन किया गया। संस्था के प्लेसमेंट अधिकारी शिव कुमार सनोडिया ने बताया कि अपरेंटिसशिप मेले में 5 कम्पनियां शामिल हुईं और साक्षात्कार के लिये 158 प्रतिभागी शामिल हुये। साक्षात्कार में 30 महिला व 54 पुरूष प्रतिभागियों का चयन किया गया द्व इस अपरेंटिसशिप मेले में नोडल अधिकारी एस.के.पांसे, मनोज चौधरी, श्रीमती कल्पना सूर्यवंशी, आशीष विश्वकर्मा, तुलसीराम ढाकरे, प्रकाश गेडाम, नवीन सरेआम, ओमप्रकाश पंद्राम, कुमारी ज्योति भलावी व नवीन माहोरे का विशेष योगदान रहा।

9 जून से औद्योगिक व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का पंजीयन प्रारंभ

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश के युवाओं को ऑन द जॉब (ओजेटी) प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत 9 जून 2023 से औद्योगिक व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का वेबसाइट www.mmsky.mp.gov.in पर पंजीयन प्रारंभ हो गया है । जिले के सभी औद्योगिक व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से इस योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक पंजीयन कराने का अनुरोध किया गया है। महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र श्री जी.के.हरणे ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत न्यूनतम 12 वीं उत्तीर्ण, आईटीआई, ग्रेज्युएट या उच्च शिक्षा प्राप्त 18 से 29 वर्ष आयु के म.प्र.के मूल निवासी छात्र प्रशिक्षणार्थी योजना का लाभ ले सकेंगें। इस योजना के अंतर्गत पंजीयन

प्रकृति के नियमों का पालन कर हम खुश रह सकते हैं

छिन्दवाड़ा। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद और रामचंद्र मिशन (हार्टफुलनेस संस्थान) द्वारा ध्यान एवं योग शिविरों का क्रम निरंतर जारी है। इसी श्रृंखला के अंतर्गत जिले के विकासखंड मोहखेड़ के अध्ययन केन्द्र शासकीय महाविद्यालय उमरानाला में ध्यान एवं योग शिविर संपन्न हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार नैनीताल से सुश्री तारा द्वारा सीएमसीएलडीपी छात्रों को हार्टफुलनेस के अर्थ को समझाते हुये यह बताया गया कि अपनी वास्तविक प्रकृति में हम खुश रहकर अपने हृदय से ध्यान की अवस्था में जाकर अपनी अंतरात्मा की आवाज को सुनकर अपने आप पर कैसे नियंत्रण पा सकते हैं। हार्टफुलनेस द्वारा बताये गये ध्यान को यदि हम अनुसरण करते हैं तो निश्चित ही हमारी सोच और हमारे व्यवहार में एक अभूतपूर्व बदलाव आयेगा जिसे हम अपनी दैनिक जीवन शैली का हिस्सा बनाकर अपने आप को सरल सहज बना सकते हैं। वरिष्ठ समाजसेवी एवं मेंटर विनोद तिवारी ने मानव जीवन में ध्यान के महत्व को बताते हुए कहा कि इसे हम अपनी दैनिक क्रिया का हिस्सा बनाकर अपने आप को एक परिपक्व व्यक्ति बनाने में कामयाब हो सकते हैं। कम्युनिटी लीडर समाज के बीच जाकर लोगों को इससे जोड़कर उनका जीवन आनंदमय बना सकते हैं जो निश्चित ही हमारे लिए एक पुनीत कार्य होगा। ध्यान के दौरान हार्टफुलनेस संस्थान की सुश्री जय लक्ष्मी व सेवानिवृत्त राजस्व निरीक्षक श्री एम.एल.डेहरिया ने भी ध्यान व योग के विभिन्न टूल्स प्रदान किये। ध्यान शिविर में मेंटर श्री कैलाश सोनेवार, सर्वश्री भवानी कुमरे, मुकेश दीक्षित, डॉ.चन्द्रकांत विश्वकर्मा, आशीष साहू, आरती माटे, दिनेश नारेकर, जितेन्द्र साहू व छात्र-छात्रायें सम्मिलित हुये।

अजब है पर गजब है विभाग या स्कूल ?

बड़ा कौन कलेक्टर या डीईओ या उच्च माध्यमिक शिक्षक..?

छिंदवाड़ा। मामला उत्कृष्ट विद्यालय मोहखेड़ का है जो सत्र 2022-2023 की स्थानीय परीक्षा नवमी और ग्यारवीं के मूल्यनकन का ब्लॉक स्तरीय केंद्र था । 11 वीं के विज्ञान विषय मे सब से कठिन विषय फिजिक्स का है । उत्कृष्ट विद्यालय में ही भौतिकी विषय के शिक्षक ने अपना रिजल्ट 100 प्रतिशत लाने की लालच में फिजिक्स के सभी बच्चों को पास कराया । एक तरफ से फिजिक्स के सभी रोलनबर पास तो हैं ही सभी के नम्बर भी एक ही हैं । सूत्रों की माने तो जिसकी कॉपी में 19अंक हैं उसको भी 23अंक , जिसके 16 आये उसको भी 23 अंक किए गए है और ऐसे 11 से 12 छात्र हैं ।चोरी कितनी भी सफाई से हो कुछ न कुछ सुबूत छूटते ही हैं ।इन शिक्षकों ने मूल्यांकित कॉपियों में मार्क्स को नही बदला बल्कि पर्ण प्रतिपर्ण ही बदल डाले । मूल्यनकन कर्ता का साफ कहना है कि कॉपी चेक करने में मेरी राइटिंग है किन्तु मेरी राइटिंग के पर्ण प्रतिपर्ण गायब हैं और मौजूदा राइटिंग किसी अन्य की है । अगर ऐसे कमजोर बच्चे 12 वीं कक्षा में प्रवेशित होते हैं तो उन बच्चों की मानसिकता , मानसिक हालत और परीक्षा परिणाम के लिए दोषी पर कार्यवाही अब तक नही हुई है । जांच जारी है किंतु अब तक कूट रचना कर के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले मुक्त हैं विज्ञान की कक्षा 11 वीं के बाकी बच्चे जो सपलमेंट्री आये हैं या जो फेल हुए हैं उनकी गलती क्या ..?विभागीय जांच भी दस दिन चले अढ़ाई कोस के ढर्रे पर है । अगर जांच में फेल को पास किये जाने का मामला सच साबित होता है तो रिजल्ट क्या माना जायेगा । अगर बच्चो का रिजल्ट प्रभावित हुआ तो उनके लिए क्या प्रावधान किया जाएगा । मुख्यालय से अर्जेंट रूप से 11वी की पूरक परीक्षा की जानकारी मागॅ जा रही है ऐसे में ये बच्चे किस श्रेणी में माने जाऐगे ।निर्दोष को दंड न मिले यह उचित है लेकिन दोषी को बचाने में किसका किसका हांथ है यह भी जांच का अहम बिंदु है ।इस प्रकरण में यह तथ्य भी गौरतलब है कि जिस शिक्षक पर आरोप इशारा कर रहे हैं यह वही शिक्षक है जो प्रभारी प्राचार्य की शीट पर काबिज रहने के लिए छिन्दवाड़ा भोपाल एक किये हुए है । एजुकेशन विभाग में टीचर, प्रिंसिपल, बाबू सब एक से बढ़कर एक हैं और मनमर्जी की दुकान खुली है । नेतागिरी के वायरस ने विभाग और स्कूलों की व्यवस्थाओं को चूरा कर रखा है । नेता का खास हो तो स्कूल के स्टूल और घण्टी का दर्जा भी अफसर से कम नही ।

मरहूम शायर भांडे बाबू को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

सौंसर। छिंदवाड़ा जिले के छोटे से कस्बे बेरडी निवासी क़लम के शहंशाह नारायण भांडे ॐ बाबू के इंतकाल से साहित्य जगत शोकाकुल है। उनके साहित्यिक मित्र एस.आर.शेंडे के निवास पर क्षेत्र के साहित्यकार बंधुओं ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की ।वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.जयंत काले ने बताया कि,वें मराठी भाषी होते हुए हिंदी उर्दू मराठी के उम्दा शायर थे । श्री भांडे ने कई मंचों से अपनी उम्दा शायरी का लोहा मनवाया ।उन्होंने कहा- कौन कहता है मरने वाले फ़ना होते है,दीदार नहीं मगर दिल में वो हमारे होते है ।सुप्रसिद्ध गजलकाराश्रीमती अनु कामोने ने इन लफ़्ज़ों में आदरांजलि अर्पित क - अंधेरी राह से उजाले चले गए, हमसे हमारे बिछुड़कर चले गए,जिनकों देख पत्थर भी मुस्कुराते थे,हमारे बीच के वो रत्नाकर चले गए ।युवा कवि संदीप बागडे ने इस शायरी से श्रद्धांजलि दी- एक सितारा उड़ते उड़ते आसमां का सितारा हो गया,आँख झपी थी जरासी ,वो नजरों से ओझल हो गया। एस.आर.शेंडे ने इन शब्दों में आदरांजलि अर्पित की- जिनके दिल में है दर्द जमाने का,वहीं दुनिया में संजीदा रहते है, जो मिटाते है खुद को जीते जी, वहीं मरकर भी जिंदा रहते है। साहित्यकार खेमराज श्रीबन्धु,नरेंद्र हिंगवे, गेंदलाल बाविस्टाले, लखनलाल गुप्ता सहित अनेंक साहित्यिक मित्रों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

महिलाएं सुबह 4 बजे से 4 किलोमीटर का सफर कर रही है तब मिलता है चार गुंडी पानी

4 माह से ठप्प पड़ी सुखारी कला की नल जल योजना

अमरवाड़ा। नगर के समीपस्थ ग्राम सुखारी कला में चार माह से ग्रामीणों को ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव तथा विभाग की हठधर्मिता के चलते चार माह से नल जल योजना ठप पड़ी है ग्रामीण लगभग 4 किलोमीटर दूर से सुबह 4-00 बजे से पीने के पानी की तलाश में निकलने के बाद भरपूर पानी की पूर्ति नहीं कर पा रहे हैं समीपस्थ हरन भटा के पास से प्रात: काल से ही ग्रामीणों का विशेषकर माताएं बहनों का ताता जल स्रोत में लगा दिखाई देता है बताया जाता है कि यह जल प्रदाय योजना अभी भी अधर में लटकी हुई है विभाग का कहना है यह पंचायत कार्यक्षेत्र होने से ग्राम पंचायत रखरखाव योजना संचालित करती है वही ग्रामीणों ने संबंधी विभाग एवं पंचायत के प्रमुखों पर आरोप लगाते हुए संबंधित विभाग के अधिकारी से मांग की है कि सुखारी कला की नल जल प्रदाय योजना तत्काल प्रारंभ करें ग्रामीणों के साथ आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा

पंचायत सचिव गुलफाम अली के हाय हाय के लगाए नारे -
ग्राम पंचायत सुखारी में सभी ग्रामीणों ने एकत्रित होकर पंचायत भवन के सामने जमकर प्रदर्शन किया और सुबह से ही पानी को लेकर आक्रोशित ग्राम वासियों के द्वारा गांव के सचिव गुलफाम अली को फोन लगाया गया लेकिन जिसका फोन निरंतर बंद बता रहा था और ग्रामीण सचिव का इंतजार करते रहे जिसके बाद ग्रामीणों ने हाय हाय के जमकर नारे लगाए और ग्रामीणों ने कहा कि अगर समय से हमारी समस्या का समाधान नहीं होगा तो हम आंदोलन करेंगे और आगामी विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे ग्रामीणों ने नई मोटर लगाकर अधूरी पड़ी पाइपलाइन विस्तार को पूर्ण करने की की मांगग्राम सुखारी के ग्रामीणों ने बताया कि हरण भाट जलाशय के पास एक बोर बना हुआ है जिसमें नई मोटर लगाने की मांग ग्रामीण कर रहे हैं ताकि गांव की नल जल योजना में सुधार हो सके लेकिन नई मोटर को लेकर सरपंच सचिव उदासीन है वही गांव में जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन विस्तार का कार्य चल रहा है जो भी धीमी गति से अधूरा बढ़ा हुआ है जिसकी वजह से भी ग्रामीण आक्रोशित हैं

धूम धाम से मनाया भाजपा नेता संदीप रघुवंशी का जन्मदिन

छिंदवाड़ा। भाजपा नेता व किसान मोर्चे के पदाधिकारी संदीप रघुवंशी का जन्मदिन आज धूमधाम से मनाया गया, सुबह उन्होने कपुरर्धा में देवी जी के मंदिर पूजा अर्चना की और पूरे विधानसभा क्षेत्र में उनका जोरदार स्वागत किया गया। चौरई में भाजपा नेता व पूर्व विधायक रमेश दुबे ने उनका स्वागत करते हुये बधाई दी। छिंदवाड़ा में पूर्व मंत्री चौधरी चन्द्रभान सिंह ने उनका स्वागत करते हुये उन्हें बधाई दी। संदीप रघुवंशी पूरे विधानसभा क्षेत्र में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाते है, उन्होने सैंकड़ों लोगों को मोतियां बिन्द के आपरेशन करवाये क्षेत्र में स्वास्थ्य शिविर लगाये जाने के कारण उनकी लोकप्रियता बहुत है।

नींव एनर्जी के प्रतिनिधियों से निरंतर स्ट्रीट लाइट के रख रखाव करने के स्पष्ट निर्देश

छिंदवाड़ा। नगर निगम कमिश्नर राहुल सिंह द्वारा पी. पी. पी. मॉडल आधारित एलईडी स्ट्रीट लाइट परियोजना के संबंध में बैठक ली गई। नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा क्षेत्रांतर्गत पी. पी. पी. मॉडल आधारित एलईडी स्ट्रीट लाइट परियोजना के माध्यम से स्ट्रीट लाइट मेंटेनेंस का कार्य मेसर्स नींव एनर्जी द्वारा किया जा रहा है । उक्त परियोजना क्लस्टर आधारित है जिसमे नगर निगम छिंदवाड़ा लीड निकाय के साथ जिले के 16 निकाय परासिया, चंदमेटा, न्यूटन चिखली, बडकुही, दमुआ, हर्रई, अमरवाड़ा, चौरई, चांद, बिछुआ, सौंसर, मोहगांव, पिपला, लोधीखेड़ा, पांढुरना एवम जुन्नरदेव शामिल है। परियोजना अंतर्गत प्रत्येक निकाय को हर माह बिजली बिल में हो रही बचत राशि मेसर्स नीव एनर्जी को भुगतान किया जाना है। बैठक में निगमायुक्त ने नींव एनर्जी के प्रतिनिधियों से निरंतर स्ट्रीट लाइट के रख रखाव करने के स्पष्ट निर्देश दिए इसके साथ निकाय के भाग की देय राशि का भुगतान नियमित रूप से एजेंसी भुगतान करने के निर्देश लेखाधिकारी प्रमोद जोशी को दिए। बैठक में निगमायुक्त ने सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निधि में राशि जमा न करने के कारण पत्र जारी करने के निर्देश दिए । जिससे समय पर एजेंसी को राशि का भुगतान किया जा सके। बैठक में सभी कलस्टर के लिए जारी मोबाइल नंबर पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश निगमायुक्त द्वारा दिए गए। मेसर्स नींव एनर्जी द्वारा शहर की बंद होने वाली स्ट्रीट लाइट की जानकारी देने के लिए टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। इस मोबाइल नंबर 9599003214 पर शहर के आम नागरिक बिना निकाय कार्यालय आए घर बैठे भी अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते है। स्ट्रीट लाइट बंद होने अथवा खराब होने की शिकायत प्राप्त होने पर नीव एनर्जी द्वारा इसका सुधार किया जायेगा।

जेईई मेन्स में सफल विद्यार्थियों को कमलनाथ ने किया सम्मानित

छिन्दवाड़ा। जेईई मेन्स 2023 की परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले आदिवासी विद्यार्थियों को पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने निज निवास शिकारपुर में प्रमाण पत्र, ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व सीएम कमलनाथ ने विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें देते हुये विद्यार्थियों को आगे भी मन लगाकर शिक्षा प्राप्त करने के लिये कहा। विद्यार्थियों ने कमलनाथ के द्वारा सम्मानित किये जाने पर खुशी जाहिर करते हुये पूर्व सीएम कमलनाथ व जिले के सांसद नकुलनाथ को धन्यवाद दिया एवं आश्वास्त किया की वो भविष्य में भी और भी मेहनत और मन लगाकर पढ़ाई जारी रखेंगे। जेईई मेन्स में चयनित विद्यार्थियों ने कम्प्यूटर साइंस विषय से आगे पढ़ाई में रुचि दिखाई। एचसीएल कंपनी के कलस्टर हेड मनीष डेनियल ने तत्काल ही एचसीएल के टेक बी प्रोग्राम की जानकारी प्रदान कर विद्यार्थियों को बताया कि बारहवीं गणित विषय से 65 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण इस परीक्षा को भी पास कर लेते हैं तो उन्हें अभी ही एचसीएल कंपनी में रोजगार के साथ साथ बिट्स पिलानी से स्नातक करने का अवसर प्राप्त होगा।

बाल भारती का मंचन देख भावुक हुए दर्शक

40 दिवसीय कार्यशाला का भव्य समापन

छिंदवाड़ा। हमारे जीवन का सबसे अच्छा समय हमारा बचपन होता है। हम में से प्रत्येक व्यक्ति एक बार अपने बचपन को फिर से जीना चाहता है पर यह संभव नहीं होता। पर यह मौका रविवार को नाट्यगंगा रंगमंडल ने अपने दर्षकों को दिया। नाट्यगंगा रंगमंडल के द्वारा आयोजित चालीस दिवसीय एक्टिंग वर्कषॉप के समापन अवसर पर बाल भारती नाटक का अविस्मरणीय मंचन किया गया। पाठ्य पुस्तक बाल भारती की कहानियों और कविताओं को इतनी खूबसूरती से मंच पर प्रदर्षित होता देख दर्षक अपने बचपन में खो गए। बचपन के गीत, खेल, कहानियों, किस्सों को याद कर जहाँ एक ओर दर्षक आनंदित हो गए तो वहीं दूसरी ओर भावुकतावष उनकी आंखें भी नम हो गईं। दर्षकों की संख्या इतनी अधिक रही कि बहुत से दर्षकों को खड़े होकर नाटक देखना पड़ा। नाटक में लालबुझक्कड़, गधा और पिता पुत्र, अंधा-लंगड़ा, सोने की कुल्हाड़ी, पंच परमेष्वर, चतुर सियार, शेर और चूहा आदि कहानियों के साथ ही धम्मक धम्मक आता हाथी, बड़े सवेरे मुर्गा बोला, चल रे मटके टम्मक टू आदि गीतों एवं कविताओं का भी मंचन किया गया। नाटक का निर्देषन संस्था अध्यक्ष सचिन वर्मा ने किया। सारी कहानियों एवं गीतों को इतनी खूबसूरती से जोड़ा गया था कि लगभग सवा घंटे के नाटक में दर्षक खो से गए। दर्षकों का कहना था कि सचिन वर्मा ने बहुत ही प्यार से इस नाटक को बनाया है जिन कहानियों और गीतों को और इनकी सीखों को हम भूल गए थे उन्हें एक बार फिर तरोताजा कर दिया है। नाटक की कहानी के अनुरूप गीत एवं संगीत अमित सोनी ने दिया जिससे नाटक में चार चाँद लग गए। जिनका मार्गदर्षन अमजद खान ने किया। वहीं आर्या भारती के निर्देषन में किए गए नृत्यों ने नाटक को गति प्रदान की। नाटक का सहनिर्देषन दानिष अली, अर्षिल चिचाम, हर्ष यादव, प्रखर साहू और फैसल कुरैषी ने किया। वित्त व्यवस्था नीरज सैनी और सुवर्णा दीक्षित ने संभाली और मंच सामाग्री का सुंदर निर्माण मानसी मटकर और सौम्या दीक्षित ने किया। बैठक व्यवस्था पंकज सोनी, वैषाली मटकर, नितिन वर्मा, ऋषभ शर्मा, संजय औरंगाबादकर और ओषिन धारे ने की। मंच व्यवस्था स्वाति चौरसिया, विनोद प्रसाद ग्यास, अंकित खंडूजा ने संभाली।

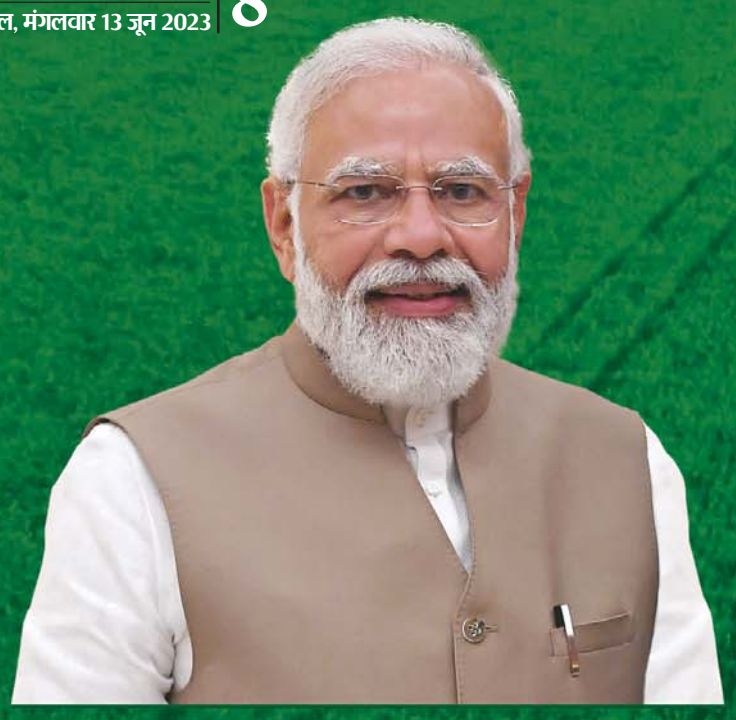

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

हर मुश्किल में मिली मदद
शिवराज बने किसानों की ताकत

किसान कल्याण महाकुंभ

मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना-2023
11 लाख किसानों की ₹ 2123 करोड़ की ब्याज माफी

प्रधानमंत्री फसल बीमा में ₹ 2900 करोड़ और
मुख्यमंत्री किसान कल्याण में ₹ 1400 करोड़ की सहायता

मोहनपुरा-कुंडालिया प्रेशराइज्ड पाइप सिंचाई प्रणाली योजना एवं गोरखपुरा ग्रामीण समूह नल-जल योजना का लोकार्पण

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना सम्मेलन तथा मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार पत्र वितरण

मुख्य अतिथि
राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्षता
शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री

गरिमामयी उपस्थिति

डॉ. वीरेन्द्र कुमार
केन्द्रीय सामाजिक न्याय मंत्री, भारत सरकार

तुलसी सिलावट
मंत्री, जल संसाधन एवं मछुआ कल्याण
तथा मत्स्य विकास विभाग, म.प्र. शासन

कमल पटेल
मंत्री, किसान कल्याण एवं
कृषि विकास, म.प्र. शासन

गोविन्द सिंह राजपूत
मंत्री, राजस्व एवं परिवहन विभाग, म.प्र. शासन

अरविन्द भदौरिया
मंत्री, सहकारिता एवं लोक सेवा
प्रबंधन विभाग, म.प्र. शासन

डॉ. मोहन यादव
मंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
एवं प्रभारी मंत्री, जिला राजगढ़

रोडमल नागर
सांसद, संसदीय क्षेत्र, राजगढ़

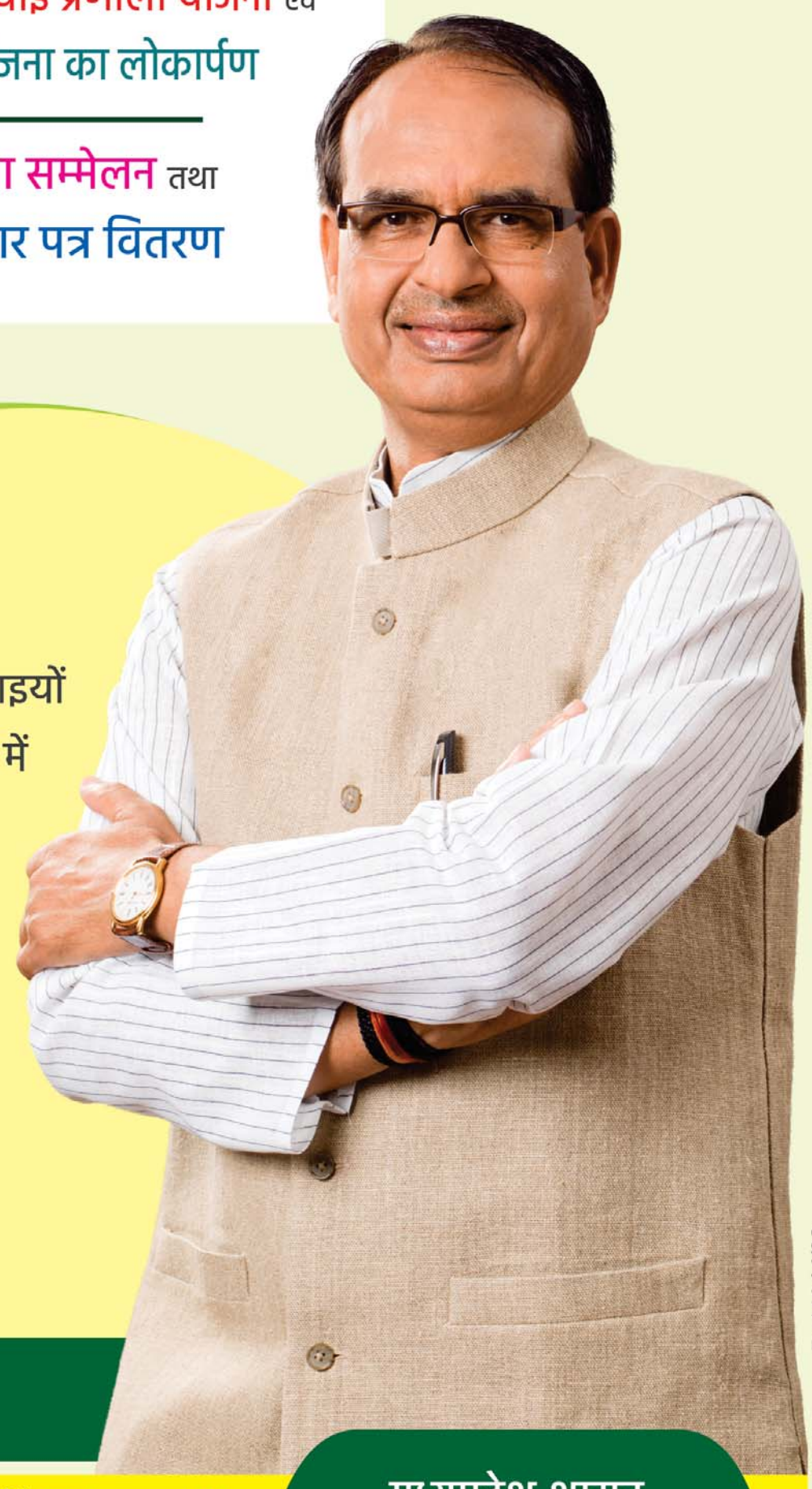

“अन्नदाताओं की कठिनाइयों को दूर करके उनके जीवन में समृद्धि और खुशहाली लाना ही मेरे जीवन का ध्येय है।”

- शिवराज सिंह चौहान

13 जून, 2023 । अपराह्न 2:00 बजे । मोहनपुरा बांध, राजगढ़

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents DDMP @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश शासन

D-11046/23

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2023